हरिभूमि
विंध्य भूमि
सतना | छतरपुर | रीवा | सिंगरौली | पन्ना

जबलपुर, शनिवार 13 सितंबर 2025
login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

मैहर में 15 जोड़ी ट्रेनों का अस्थायी ठहराव

मैहर। नवरात्रि के दौरान माँ शारदा धाम आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा के लिए रेलवे प्रशासन और पुलिस ने विशेष इंतजाम किए हैं। रेलवे ने एक बड़ा फैसला लेते हुए नवरात्रि पर्व के दौरान मैहर रेलवे स्टेशन पर 15 जोड़ी ट्रेनों को पांच मिनट के लिए अस्थायी रूप से रोकने का निर्णय लिया है। इसके साथ ही,मेले के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए जीआरपी और आरपीएफ पुलिस चौबीसों घंटे तैनात रहेगी। इस व्यवस्था से श्रद्धालुओं को माँ शारदा धाम पहुंचने में आसानी होगी और उनकी सुरक्षा भी सुनिश्चित की जाएगी।

नए पुलिस अधीक्षक ने कहा मीडिया और पुलिस के बीच समन्वय जरूरी

सतना। नए पुलिस अधीक्षक हंसराज सिंह ने शुक्रवार को पदभार ग्रहण करने के बाद पहली बार सतना पत्रकारों से मुलाकात की। पुलिस अधीक्षक कार्यालय में आयोजित एक सौजन्य मुलाकात कार्यक्रम में हंसराज सिंह पत्रकारों से रूबरू हुए। उन्होंने पहली मुलाकात में सभी पत्रकारों से एक-एक करके परिचय प्राप्त किया और जिले में कानून व्यवस्था को और बेहतर बनाने के लिए सभी का सहयोग मांगा। उन्होंने कहा कि पुलिस और मीडिया के बीच समन्वय जरूरी है ताकि जनता तक सही और सटीक जानकारी पहुंच सके। उन्होंने यह भी कहा कि उनकी प्राथमिकता जिले में शांति और सुरक्षा बनाए रखना है।

युवक पर चाकू से हमला, हालत गंभीर, रेफर

कटनी। कोतवाली थाना क्षेत्र के नदी पार इलाके में चाकूबाजों ने फिर एक वारदात को अंजाम दिया। हमलावरों ने एक युवक को चाकू मार कर लहूलुहान कर दिया। घटना के बाद उसे गंभीर हालत में शासकीय जिला अस्पताल ले जाया गया जहां पर प्राथमिक उपचार के बाद उसे रेफर कर दिया गया। जानकारी के मुताबिक कोतवाली थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले नदीपार इलाके में गत देर शाम विवाद के बाद चाकू चल गई। दीपक साहू नामक युवक को आपसी विवाद के कारण अज्ञात युवकों ने चाकू मार दी। बताया जाता है कि हमलावरों ने दीपक के गले में चाकू से वार किया है। घटना के बाद घायल को अस्पताल ले जाया गया जहां से उसे कुछ देर बाद जबलपुर रेफर कर दिया गया। घायल की हालत बेहद नाजुक बनी हुई है। परिजनों ने कटनी के ही निजी अस्पताल में उसका इलाज शुरू करा दिया है। शहर के विभिन्न इलाकों में लगातार हो रही चाकू बाजी की घटनाएं बेहद चिंताजनक है। एक के बाद एक चाकू बाजी की घटनाओं ने लोगों में असुरक्षा की भावना पैदा कर दी है।

शराब की अवैध बिक्री के विरोध में ग्रामीणों ने किया चकाजाम प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज: कटनी

कुठला थाना अंतर्गत कैमोरी गांव के में गुरुवार को शराब की अवैध पैकारी के खिलाफ ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा। बड़ी संख्या में महिलाएं और ग्रामीण सड़क पर उतर आए और पुलिस-प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। देखते ही देखते भीड़ ने सड़क पर चक्काजाम कर दिया, जिससे आवागमन घंटों बाधित रहा।

शिवराज के दौरे में गरमाई राजनीति खाद संकट पर कांग्रेस का तीखा विरोध

सतना। पूर्व मुख्यमंत्री और केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान का सतना दौरा राजनीतिक हंगामे से भरा रहा। एक तरफ,उन्होंने 'वन नेशन,वन इलेक्शन' जैसे महत्वपूर्ण राष्ट्रीय मुद्दे पर छात्रों के साथ संवाद किया,वहीं दूसरी ओर उन्हें खाद संकट को लेकर कांग्रेस के तीखे विरोध का सामना करना पड़ा। उनके काफिले को दो अलग-अलग जगहों पर रोककर प्रदर्शन किए गए,जिसने जिले की राजनीति में हलचल मचा दी।

'वन नेशन, वन इलेक्शन' पर संवाद

अपने सतना प्रवास के दौरान,शिवराज सिंह चौहान ने 'वन नेशन,वन इलेक्शन' पर आयोजित एक संवाद कार्यक्रम में हिस्सा लिया। उन्होंने स्कूली और कॉलेज के छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि बार-बार होने वाले चुनावों से देश के विकास कार्य प्रभावित होते हैं और इससे जनता का पैसा भी बर्बाद होता है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि एक साथ चुनाव कराने से सरकारी खर्च कम होगा और सरकारें बेहतर तरीके से नीतियों को लागू कर पाएंगी। शिवराज सिंह चौहान ने युवाओं से इस महत्वपूर्ण विषय पर विचार-विमर्श करने का आह्वान किया और देश की तरक्की के लिए एक राष्ट्र,एक चुनाव की आवश्यकता पर बल दिया।

कांग्रेस का दो तरफा विरोध

हालांकि,उनके दौरे का मुख्य आकर्षण राजनीतिक विरोध प्रदर्शन रहा। खाद की किल्लत और किसानों को हो रही परेशानियों को लेकर कांग्रेस ने शिवराज सिंह चौहान का जोरदार विरोध किया। पहला प्रदर्शन कांग्रेस नेत्री डॉ.रश्मि पटेल के नेतृत्व में बिहटा गांव के पास हुआ। डॉ.पटेल ने एक दिन पहले ही मंत्री का घेराव करने की चेतावनी दी थी। इसके चलते पुलिस पहले से ही सतर्क थी। जब शिवराज सिंह का काफिला कुंदहरी में होने वाले किसान सम्मेलन के लिए जा रहा था,तब कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने काले झंडे दिखाने के लिए हाईवे पर इकट्ठा होकर नारेबाजी की। पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच हुई तीखी बहस और धक्का-मुक्की का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वहीं, कांग्रेस के एक अन्य गुट ने विधायक और जिला अध्यक्ष सिद्धार्थ कुशवाहा के नेतृत्व में सतना बाईपास पर मंत्री के काफिले को रोककर विरोध जताया। इन नेताओं ने शिवराज सिंह को खाद की कमी और कालाबाजारी की समस्या से अवगत कराया,जिससे किसानों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

दौरे की राजनीतिक समीक्षा

कुल मिलाकर,शिवराज सिंह चौहान का सतना दौरा एक मिश्रित अनुभव रहा। जहां उन्होंने एक गंभीर और दूरगामी विषय पर अपनी बात रखी,वहीं उन्हें किसानों की समस्याओं पर जमीनी स्तर के विरोध का सामना भी करना पड़ा। कांग्रेस ने इस दौरे को किसानों के मुद्दों को उठाने का एक मौका बनाया, जिसने यह साबित कर दिया कि खाद संकट का मुद्दा अभी भी राजनीतिक रूप से संवेदनशील है। यह दौरा इस बात को भी रेखांकित करता है कि 'वन नेशन,वन इलेक्शन' जैसे बड़े विचारों के बीच भी स्थानीय और तात्कालिक मुद्दे,जैसे कि खाद की कमी,जनता के लिए कहीं अधिक महत्वपूर्ण होते हैं।

मझगवां पुलिस ने हत्याकांड और अपहरण के मुख्य आरोपी को किया गिरफ्तार

सतना। मझगवां पुलिस ने देवलाहा गांव में हुए हत्याकांड के मुख्य आरोपी रामनरेश मवासी को गिरफ्तार कर लिया है। इसके अलावा,साल 2011 में हिरोंदी में हुए अपहरण के मामले में फरार चल रहे आरोपी राकेश सिंह को भी गिरफ्तार किया गया है। पुलिस इस अपहरण मामले में पहले ही 8 आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है।

अवैध संबंध के कारण हुई हत्या

मझगवां थाना प्रभारी आदित्य नारायण धुर्वे ने बताया कि देवलाहा निवासी गुड्डा मवासी 35 वर्ष की चाकू मारकर की गई हत्या के मामले में तीसरे मुख्य आरोपी रामनरेशमवासी को पुलिस टीम ने गिरफ्तार किया है। इससे पहले,पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर दो अन्य आरोपियों-कंस कुमार मवासी और शिवशंकर मवासी को पिंडरहा बांध के पास से गिरफ्तार किया था। पुलिस ने इनके पास से घटना में इस्तेमाल की गई मोटरसाइकिल और चाकू बरामद किया है।पुलिस के मुताबिक,मृतक गुड्डा और मुख्य आरोपी रामनरेश का विवाह एक ही घर में हुआ था।रामनरेश का मृतक गुड्डा की पत्नी पूनम मवासी के साथ अवैध संबंध था। इसी कारण रामनरेश ने गुड्डा को रास्ते से हटाने के लिए अपने दो साथियों कंस कुमार और शिवशंकर को भी शामिल कर लिया।घटना 8 सितंबर की शाम को हुई जब रामनरेश अपने एक साथी के साथ गुड्डा के घर आया और गुड्डा के भतीजे शिवम को साथ लेकर गांव के नीचे खाले भट्ठा की तरफ ले गया। कुछ देर बाद गांव वालों को शोर-शराबे से पता चला कि रामनरेश और उसके साथी ने गुड्डा को चाकू मार दिया है। मृतक की पत्नी ने बताया कि उसके पति के पेट और गले में गंभीर चोटें थीं और वह खून से लथपथ अचेत अवस्था में पड़े थे। परिजनों ने पुलिस को सूचना दी,जिसके बाद 112 पुलिस वाहन ने गुड्डा को अस्पताल पहुंचाया,जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

पुलिस की कार्रवाई

पुलिस अधीक्षक हंसराज सिंह और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक प्रेमलाल कुवरे के निर्देश पर,मझगवां थाना प्रभारी आदित्य नारायण धुर्वे और उनकी टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। कंस कुमार और शिवशंकर को गुरुवार को ही और मुख्य आरोपी रामनरेश को शुक्रवार को न्यायालय में पेश किया गया। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 103 (1), (2), (3) के तहत मामला दर्ज किया है।

राष्ट्रीय वयोश्री योजना अंतर्गत परीक्षण शिविर 18 से 27 सितंबर तक

सतना। मध्यप्रदेश शासन सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण मंत्रालय भोपाल के निर्देशानुसार राष्ट्रीय वयोश्री योजनांतर्गत वरिष्ठजनों को लाभांवित करने के लिए परीक्षण शिविर को आयोजन एल्मिको जबलपुर की टीम के द्वारा किया जाना है। उप संचालक सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण ने बताया कि सतना एवं मैहर जिले में परीक्षण शिविरों का आयोजन 18 से 27 सितंबर तक नगरीय निकायों,जनपद पंचायतों,नगर पालिका,नगर परिषद में किया जायेगा। जिसमें 18 सितंबर को टाउनहाल सतना में परीक्षण शिविर आयोजित किया जायेगा। इसी प्रकार 20 सितंबर को जनपद पंचायत मझगवां,22 सितंबर को जनपद पंचायत रामपुर बघेलान,24 सितंबर को जनपद पंचायत मैहर तथा 27 सितंबर को जनपद पंचायत अमरपाटन में परीक्षण शिविर का आयोजन किया जायेगा।

माई की रसोई पहुंचे केंद्रीय मंत्री चौहान

मैहर। पूर्व मुख्यमंत्री और वर्तमान केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान अपनी पत्नी के साथ मैहर पहुंचे और उन्होंने माँ शारदा के दर्शन किए। इसके बाद वह सतना सांसद गणेश सिंह के साथ माई के पुजारी रमेश पाण्डेय 'बमबम महाराज' से मिलने माई की रसोई गए। माई की रसोई के संचालक धीरज पाण्डेय ने ढोल-नगाड़ों के साथ उनका आत्मीय स्वागत किया।

एकेएस की छात्रा रुपाली एचआर के लिये चयनित

सतना। एकेएस विश्वविद्यालय सतना एक बार फिर गर्वित हुआ है। विश्वविद्यालय के प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट विभाग के प्रमुख बालेंद्र विश्वकर्मा के कुशल मार्गदर्शन और सतत प्रयासों का परिणाम है कि एमबीए (मानव संसाधन) की छात्रा रुपाली मिश्रा (सत्र 2025) का चयन देश की प्रतिष्ठित कंपनी रिलायंस न्यू एनर्जी लिमिटेड (अंडर क्वेस लिमिटेड) में हुआ है। वे जामनगर,गुजरात में HR-IR (ह्यूमन रिसोर्सेज-इंडस्ट्रियल रिलेशंस) पद पर अपनी सेवाएँ देंगी। प्लेसमेंट हेड बालेंद्र विश्वकर्मा न केवल विद्यार्थियों को औद्योगिक आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार करते हैं,बल्कि उन्हें सही अवसरों तक पहुँचाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उनके नेतृत्व और सतत प्रेरणा ने विश्व विद्यालय के प्लेसमेंट रिकॉर्ड को नई ऊँचाइयों पर पहुँचाया है। रुपाली मिश्रा की इस उपलब्धि पर विश्वविद्यालय परिवार ने हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि यह सफलता बालेंद्र विश्वकर्मा की मेहनत और दूरदर्शी रणनीति का परिणाम है। विश्वविद्यालय के प्रबंधन और संकायजन ने उन्हें बधाई देते हुए विश्वास जताया कि आने वाले समय में भी उनके नेतृत्व में विद्यार्थी लगातार सफलता प्राप्त करते रहेंगे।

मैहर में ग्रामीण विकास कार्यों की समीक्षा

मैहर। मध्य प्रदेश की पंचायत एवं ग्रामीण विकास राज्य मंत्री और मैहर जिले की प्रभारी मंत्री श्रीमती राधा सिंह ने मैहर जनपद पंचायत के सभागार में अधिकारियों के साथ बैठक की। इस बैठक में उन्होंने जिले के ग्रामीण विकास कार्यों की समीक्षा की। इस मौके पर विधायक श्रीकांत चतुर्वेदी और एसडीएम दिव्या पटेल भी उपस्थित थीं।

मुख्य सचिव ने की पखवाड़ा स्वच्छता की समीक्षा

सतना। मुख्य सचिव म.प्र.शासन अनुराग जैन द्वारा वीसी के माध्यम से बैठक आयोजित कर स्वच्छता पखवाड़ा की तैयारियों की समीक्षा की गई। सतना के कलेक्ट्रेट भवन स्थित एनआईसी कक्ष में कलेक्टर डॉ सतीश कुमार एस,सीईओ जिला पंचायत सुश्री संजना जैन,आयुक्त नगर निगम शेर सिंह मीना, सहायक कलेक्टर अनिकेत शांडिल्य,सीएमएचओ डॉ एल के तिवारी,जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला बाल विकास राजीव सिंह सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

रक्तदान व एड्स जागरूकता कार्यशाला का हुआ आयोजन

रक्तदान एवं एड्स से जुड़ी भ्रांतियों से संबंधित जानकारी देकर किया गया जागरूक

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

शासकीय महाविद्यालय बरही में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई एवं रेड रिबन क्लब द्वारा प्राचार्य प्रो. आर. के. त्रिपाठी के मार्गदर्शन एवं कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अरविंद सिंह के नेतृत्व में अन्तर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस एवं रक्तदान/एड्स जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में डॉ. अरविंद सिंह ने साक्षरता का महत्व समझाते हुए बताया कि इस वर्ष संपूर्ण विश्व में अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस 'डिजिटल युग में साक्षरता को बढ़ावा देना' थीम के तहत मनाया जा रहा है। जो आज हमें साक्षर होने के होने के साथ-साथ मीडिया और सूचना साक्षरता को भी पाठ्यक्रम में शामिल करने के लिए पुनर्विचार करने का समर्थन करता है। साथ ही कहा कि विश्व से एच.आई.वी. संक्रमण और एड्स को जन जागरूकता के माध्यम से ही पूर्ण रूप से समाप्त किया जा सकता है। जिसके लिए लोगों को एच.आई.वी. और एड्स के बारे में सही जानकारी दिए जाने की आवश्यकता है।

डॉ रश्मि त्रिपाठी ने रक्तदान के महत्व के बारे में बताते हुए सार्वजनिक जागरूकता बढ़ाने और प्रचलित भ्रांतियों को दूर करने के लिए विद्यार्थियों को प्रेरित किया। जबकि डॉ के के विश्वकर्मा ने कहा कि रक्त का कोई कृत्रिम विकल्प नहीं है, इसलिए रक्तदान ही मानव जीवन बचाने का एकमात्र उपाय है। जिसके लिए 18 से 65 वर्ष की आयु के प्रत्येक स्वस्थ्य व्यक्ति जिनका वजन 45 किलोग्राम से अधिक हो, को रक्तदान के लिए प्रेरित किया जाना चाहिए।

बहोरीबंद ब्लाक के 26 विद्यार्थियों को मिली स्कूटी

हरिभूमि न्यूज ⏭ स्लीमनाबाद

बहोरीबंद विकासखंड की होनहार प्रतिभाओं को सरकार की तरफ से विशेष उपहार गुरुवार को मिला। माध्यमिक शिक्षा मंडल मध्यप्रदेश भोपाल की कक्षा 12 वी की परीक्षा में स्कूल मै सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले छात्र -छात्रा को शैक्षणिक वर्ष 2025-26 के तहत स्कूटी का उपहार मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के द्वारा दिया गया जिसके के लिए गुरुवार को बहोरीबंद विकासखंड के हायर सेकेण्डरी स्कूलों मै कार्यक्रम आयोजित किया गया जहाँ राज्य स्तरीय कार्यक्रम का सीधा प्रसारण देखा गया। मुख्यमंत्री ने स्कूटी के लिए विद्यार्थियों के खातों में राशि अंतरित की। राशि खाते मे आते ही विद्यार्थियों के चेहरों मै मुस्कान आ गईं। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय स्लीमनाबाद में आयोजित कार्यक्रम में जिला पंचायत सदस्य पंडित प्रदीप त्रिपाठी ने कक्षा 12 वी की स्कूल टापर छात्रा आस्था दुबे 90 प्रतिशत ओर छात्र अंकित रैदास 89 प्रतिशत को स्कूटी की चाबी व स्वीकृति पत्र सौपा गया। इस दौरान गुड्डन सिंह, संकुल प्राचार्य डी के ठाकुर, जनशिक्षक डॉ दिलीप त्रिपाठी, अखिलेश पांडेय, यूइके मेडम, सविनय तिवारी,रेखा सिंह,कृष्णा दुबे सहित स्कूल स्टॉफ व विद्यार्थी उपस्थित रहे।

विकासखंड शिक्षा अधिकारी मनोज गर्ग ने बताया कि बहोरीबंद विकासखंड के 13 हायरसेकेण्डरी स्कूल है जिनमें से कक्षा 12 वी के टापर 26 बालक व बालिका को स्कूटी के लिए राशि खातों मै मुख्यमंत्री ने अंतरित की जिसमें पेट्रोल स्कूटी के लिए 90 हजार रूपये ओर ई - स्कूटी के लिए 1 लाख 20 हजार रूपये की राशि मिली।

मास्टर ट्रेनर ने ग्राम स्तर पर कार्य करने एवं एक्शन प्लान तैयार करने दी जानकारी

हरिभूमि न्यूज ⏭ बड़वारा

भारत सरकार के जनजातीय कार्य मंत्रालय के निर्देशानुसार 10, 11 एवं 12, 13 सितम्बर तक विकासखंड बड़वारा में क्लस्टर स्तरीय आदि कर्मयोगी पंचायत रेस्पॉन्सिव गवर्नेंस ग्रुप (PRGG) ओरियंटेशन एवं वर्कशॉप का सफल आयोजन किया गया। समापन अवसर पर अनुविभागीय अधिकारी एवं अध्यक्ष प्रमोद चतुर्वेदी, मुख्य कार्यपालन अधिकारी/नोडल अधिकारी प्रभा टेकाम, बीपीओ उदय भान सिंह एवं ब्लॉक कोऑर्डिनेटर श्रीमती बबीता सिंह की गरिमामयी उपस्थिति रही।

अभियान के माध्यम से ग्राम पंचायतों में सेवा, समर्पण और संकल्प की भावना के साथ कार्ययोजनाएँ तैयार की जा रही हैं, ताकि प्रत्येक परिवार तक शासन की योजनाओं का लाभ पहुँच सके। वर्कशॉप के दौरान ब्लॉक मास्टर ट्रेनर्स ने पंचायत प्रतिनिधियों को ग्राम स्तर पर कार्य करने एवं विलेज एक्शन प्लान तैयार करने की विस्तृत जानकारी दी। कार्यशाला में पिछले दिवस के प्रशिक्षण का रीकैप, विभिन्न गतिविधियाँ एवं प्रतिभागियों का फीडबैक सम्मिलित किया गया। विशेष रूप से ग्राम विजन प्लान का मानचित्र तैयार कर पंचायतों के माध्यम से प्रदर्शित किया गया। कार्यक्रम के समापन पर सभी पंचायत प्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने PRGG शपथ ली कि गांवों में विजन प्लान तैयार कर अंतिम छोर तक योजनाओं का लाभ पहुँचाने, गांव को समृद्ध एवं विकसित बनाने हेतु सहभागिता से कार्य करेंगे। आगामी दिनों में ग्राम पंचायत स्तर पर कार्यशालाओं का आयोजन होगा तथा 2 अक्टूबर गांधी जयंती पर विशेष ग्राम सभाएँ आयोजित की जाएँगी। इस आयोजन में ब्लॉक मास्टर ट्रेनर्स नरेंद्र तिवारी, श्रीमती ज्योति बर्मन, छात्रावास अधीक्षक संजय कुशवाहा, श्रीराम सरावगी एवं रमेश साहू का विशेष योगदान रहा।

खबर संक्षेप

पत्रकार संजय सिंह राजपूत के आकस्मिक निधन पर दी श्रद्धांजली

कलेक्टर ने भी जताया शोक

पन्ना। पन्ना जिले के वरिष्ठ पत्रकार संजय सिंह राजपूत का शुक्रवार की सुबह आकस्मिक निधन हो गया था। गत माह स्वास्थ्य खराब होने पर भोपाल के चिरायु अस्पताल में पत्रकार स्व. राजपूत का उपचार हुआ एवं स्वस्थ्य होने के उपरांत गत सप्ताह पन्ना वापस लौटे, किंतु 10 सितम्बर की रात्रि से पुनः स्वास्थ्य खराब होने पर उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। चिकित्सकों द्वारा 11 सितम्बर की रात्रि में सतना रेफर करने के बाद पत्रकार का सतना पहुंचने के पूर्व रास्ते में ही असामयिक निधन हो गया। शुक्रवार को अजयगढ़ विकासखंड अंतर्गत गृह ग्राम रमजूपुर में दिवंगत पत्रकार का अंतिम संस्कार किया गया। इस अवसर पर स्थानीय जन प्रतिनिधियों सहित गणमान्य नागरिक और पत्रकारगण भी शामिल हुए। पत्रकार के निधन पर कलेक्टर सुरेश कुमार ने भी शोक जताया। सर्किट हाउस पन्ना में पत्रकारों ने मौनधारण कर स्व. संजय सिंह राजपूत को विनम्र श्रद्धांजली दी।

जन्म-मृत्यु एवं विवाह की अधिसूचित सेवाओं का समय-सीमा में निराकरण करने के निर्देश

पन्ना। कलेक्टर एवं अतिरिक्त मुख्य रजिस्ट्रार जन्म-मृत्यु सुरेश कुमार ने सभी जनपद पंचायत सीईओ एवं नगरीय निकायों के सीएमओ को लोक सेवा प्रबंधन विभाग के पोर्टल पर जन्म-मृत्यु एवं विवाह की अधिसूचित सेवाओं सहित संबंधित सीएम हेल्पलाइन शिकायतों को समय-सीमा में निराकृत करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा है कि इन सेवा अथवा शिकायतों के नियत समयावधि में निराकरण न होने के फलस्वरूप कई शिकायतें लोक सेवा प्रकरण समय-सीमा से बाहर हो जाते हैं। मुख्यमंत्री जी द्वारा प्रतिमाह समाधान ऑनलाइन कार्यक्रम के तहत सीएम हेल्पलाइन शिकायतों के साथ उक्त सेवाओं की भी समीक्षा की जाती है। इस संबंध में संबंधित अधिकारियों को अपने क्षेत्र में जन्म-मृत्यु एवं विवाह पंजीयन संबंधी अधिसूचित सेवाओं के आवेदनों का समय-सीमा में निराकरण और इससे संबंधित सीएम हेल्पलाइन शिकायतों का भी स्वयं तथा अधीनस्थ उप रजिस्ट्रार जन्म-मृत्यु को समय-सीमा में वांछित कार्यवाही के लिए निर्देशित करने के निर्देश दिए हैं। इसके अलावा सभी तहसीलदार को भी जन्म-मृत्यु के एक वर्ष के पश्चात पंजीयन की अनुमति वाले सभी लोकसेवा प्रकरणों का समयावधि में निराकरण सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए गए हैं।

रेरा द्वारा जागरूकता शिविर का आयोजन सोमवार को

पन्ना। म.प्र. भू-संपदा विनियामक प्राधिकरण (रेरा) द्वारा सोमवार, 15 सितम्बर को कलेक्टेट सभाकक्ष में दोपहर 3 बजे जागरूकता शिविर का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी एवं प्राधिकरण के विशेष सचिव राजेश बहुगुणा एवं उप सचिव अनिल कुमार सोनी भी उपस्थित रहेंगे। शिविर में भू-संपदा परियोजना से संबंधित अधिनियम व नियम एवं प्रक्रिया की जानकारी दी जाएगी। कलेक्टर सुरेश कुमार ने संबंधित विभागीय अधिकारियों को जागरूकता शिविर में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहने के निर्देश दिए हैं।

झाड़-फूक तंत्र-मंत्र करने वालों पर अब होगी कार्यवाही

तेंदुखेड़ा। नगर तथा आसपास के ग्रामीणों को अगर बीमारी होने के अलावा गर्भवती महिलाओं और सर्पदंश के शिकार लोगों को अगर झाड़ फूक करने और तंत्र मंत्र करने बालों के यहां पीड़ित की मौत होती है तो उक्त झाड़ फूक और तंत्र मंत्र करने बालों पर पुलिस में एफआईआर दर्ज करवाकर मामला दर्ज कराया जाएगा। यह बात गुरुवार को तेन्दूखेड़ा एसडीएम सौरभ गंधर्व ने मीडिया से कही है। चुकी वर्तमान में कई लोग सर्फ दंश का शिकार होकर पहले झाड़ फूक करने बालों के यहां जाते है जिससे स्थिति बिगड़ जाती है।

जिले में जहां 9 डिप्टी कलेक्टर की पदस्थापना होनी चाहिये वहीं 3 के भरोसे कैसे जिले को विकास की दिषा में प्रतिस्पर्धा के इस दौर में अंजाम तक पहुंचाया जाये

जिले को विकास में अग्रसर लाने के लिये योजनाओं के क्रियान्वयन को समय पर आम जनता तक पहुंचाने को लेकर जिम्मेदार अधिकारियों की पदस्थापना पर कब होगा गौर?

जिले के विकास की बात करें या फिर योजनाओं के क्रियान्वयन को लेकर आम जनता को समय पर लाभ प्रदान करने के लिये जहां जिम्मेदार अधिकारियों की जिम्मेदारी शासन से तो निहित की जाती है वहीं पदस्थापनायें भी पूर्व से निहित है पर पद खाली पड़े होने से हालात जिले में काम चलाउ सरकार की व्यवस्था मानी जा रही है आखिर कैसे विकासषील जिलों की तरह पन्ना जिले को विकास की प्रतिस्पर्धा में आगे लाया जाये जो अपने आप में बड़ा सवाल है जहां जिले में 9 डिप्टी कलेक्टरों की पदस्थापना को लेकर शासन ने ही पद निर्धारित किये वहीं 3 के भरोसे कैसे कार्य किये जायें वहीं तहसीलदारों की नियुक्ति को लेकर भी लंबे अर्से से हालात चर्चा का विषय तो है ही प्रभारियों के भरोसे कैसे चलें तहसीलें आखिरकार कानून व्यवस्था हो या फिर योजनाओं का क्रियानव्यन या आम जनता के लिये समय पर सेवायें प्रदान करने के लिये जिम्मेदार अधिकारियों की नियुक्ति इस जिले में क्या जनप्रतिनिधि अपना दायित्व निभाकर पदस्थापनायें कराने को लेकर होंगे गंभीर

पन्ना।

\ पन्ना जिला अन्य जिलों की तुलना में विकास की प्रतिस्पर्धा में कैसे आगे जाना जायेगा जब तक जिम्मेदार अधिकारियों की पदस्थापनाओं को लेकर जनप्रतिनिधियों के द्वारा दायित्व नहीं निभाया जायेगा आखिरकार लंबे अर्से से जहां जिले में जिम्मेदार अधिकारियों के पद रिक्त पडे हुये है भले ही पदस्थापनायें पूर्व से ही निर्धारित की गई है पर जब नियुक्ति नहीं की जायेगा आखिरकार कैसे समय पर आम जनता को सेवायें प्रदान की जायें चाहे योजनाओं के क्रियान्वयन की बात करें या फिर जिम्मेदार अधिकारियों के द्वारा जहां कानून व्यवस्था को समय पर पालन कराने को लेकर दायित्व निभाने की बात हो जिले में बिना जिम्मेदार अधिकारियों के समुचित सेवायें कैसे मुहैया कराई जाये जो अपने आप में बड़ा सवाल है कहने को तो सुषासन की राह तय करने की बात भले ही की जाये पर जब तक सुषासन लाने के लिये जिम्मेदार अधिकारियों की पदस्थापनाओं को लेकर गौर नहीं किया जायेगा जब तक सुषासन की राह तय की जा सकेगी। वहीं सरकार की योजनाओं को क्रियानवयन करने के लिये भी मानीटरिंग की जिम्मेदारी को लेकर वरिष्ठ अधिकारियों की जिम्मेदारी निहित होती हे साथ ही जिले के संचालन को लेकर इस जिले में जहां 9 डिप्टी कलेक्टरों की पदस्थापना को लकर जरूरी है वहीं 3 के भरोसे कैसे जिले का संचालन हो रहा है जो अपने आप में सहज ही अंदाजा लगाने को लेकर माना जा सकता है। वहीं तहसीलदारों की बात करें तो तहसीलें प्रभारी तहसीलदारों के भरोसे वर्षों से संचालित है इन परिस्थितियों में जिले में किस तरह से राजस्व विभाग की योजनाओं का क्रियानव्यन जो सीधे किसानों से जुडा हुआ विभाग वहीं आम जनता को समस्त योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिये डिप्टी कलेक्टर व तहसीलदारों की जिम्मेदारी मानी जाती है यहां दोनों जिम्मेदार अधिकारियों के पद लंबे अर्से से रिक्त पड़े हुये कैसे जिले का संचालन जुगाड़ व्यवस्था से चल रहा है जनप्रतिनिधियों का दायित्व इन रिक्त पड़े पदों की ओर जायेगा ताकि पदस्थापनायें हो सकें साथ ही जिले के बेहतर संचालनद को लेकर जिम्मेदार अधिकारियों के माध्यम से विकासषील जिलों की तरह पन्ना जिले को भी आम जनता के लिये योजनाओं के माध्यम से लाभ पहुंचाने के लिये कार्य किये जा सकें। आखिरकार कागजी आंकड़ों या आंकडे बाजी में जमीनी हकीकत नहीं बदल जायेगी आम जनता को योजनाओं का लाभ दिलाने के लिये जिम्मेदार अधिकारियों की जिम्मेदारी निहित होती है जो हर समय आवष्यक मानी जाती है आखिर सरकार ने ही व्यवस्थायें जिले के संचालन को लेकर पदों में पद भरने के लिये जिम्मेदार अधिकारियों को उचित माना आखिरकार खाली पद कैसे जिम्मेदारी का दायित्व निभायेंगे या फिर जुगाड़ व्यवस्था कितनी कारगर होगी इसका सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है। आखिरकार जिले के संचालन के लिये जब तक टीम मजबूत नहीं होगी तो जिला प्रषासन के मुखिया के माध्यम से आखिरकार इस जिले को विकास की दिषा में विकासषील जिलों की प्रतिस्पर्धा में कैसे पहुंचाया जायेगा जो सबसे बड़ा सवाल है। इतना ही नहीं जिले में मानीटरिंग तथा योजनाओं के क्रियानव्यन को लेकर महतवपूर्ण पदों की विषेष भूमिका होती है आखिर इन पदों को भरे जाने को लेकर क्या होगा गौर? ताकि पन्ना जिले को म.प्र. के विकासषील जिलों की तुलना की राह तय करने के लिये आसान राह मानी जाये।

देवेंद्रनगर की धरती से निकला विश्व का पहला जीवनरक्षक विषरोधी उपकरण

अजयगढ़ राजघराने के डॉ. हृदय शाह जूदेव ने बनाया 'गो-वेनम' - सांप के डसते ही विष की पहचान कर देगा तुरंत एंटी-वेनम, बदल देगा आपातकालीन चिकित्सा का चेहरा।

देवेंद्रनगर।

भारत ने स्वास्थ्य और आपातकालीन चिकित्सा के क्षेत्र में वह कर दिखाया है जो अब तक सिर्फ कल्पना थी। बुंदेलखंड के देवेंद्रनगर निवासी और अजयगढ़ राजघराने के सदस्य डॉ. हृदय शाह जूदेव ने दुनिया का पहला पहनने योग्य विषरोधी उपकरण 'गो-वेनम' विकसित कर वैश्विक चिकित्सा जगत को चौंका दिया है। यह डिवाइस सांप के डसते ही सेकंडों में विष की पहचान कर शरीर में जीवनरक्षक एंटी-वेनम इंजेक्ट कर देता है। यह न केवल भारत बल्कि पूरी दुनिया के लिए आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाओं में क्रांतिकारी बदलाव का प्रतीक माना जा रहा है।

बदल देगा चिकित्सा की तस्वीर

पहला और अनोखा दुनिया का पहला पहनने योग्य एंटी-वेनम डिवाइस। तुरंत कार्रवाई- सांप के डसते ही विष की पहचान और सटीक एंटी-वेनम इंजेक्शन। टेक्नोलॉजी और परंपरा का संगम - एआई बायोसेंसर, स्मार्ट माइक्रोफ्लूडिक्स और पुनर्जीवित करने वाला जैल। संपूर्ण सुरक्षा - जीपीएस अलर्ट और लोकेशन शेयरिंग, ताकि मदद तुरंत पहुँचे। ग्रामीण और आदिवासी इलाकों के लिए जीवनदान - अस्पताल तक पहुँचने से पहले ही बचाएगा जान।

मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ से विश्व तक सफर

फील्ड ट्रायल्स की शुरुआत मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ के आदिवासी इलाकों से होगी, जहाँ हर साल हजारों लोग सांप के डसने से मरते हैं। उद्देश्य है तकनीक को ग्रामीण और पिछड़े समुदायों के लिए सुलभ बनाना, और आगे इसे वैश्विक मानकों पर ले जाना। यह सिर्फ उपकरण नहीं, यह जीवन की ढाल है" - डॉ. जूदेव डॉ. हृदय शाह जूदेव ने कहा, "गो-वेनम सिर्फ एक डिवाइस नहीं, बल्कि करोड़ों लोगों के लिए सुरक्षा, आशा और जीवन का प्रतीक है। यह आपातकालीन चिकित्सा को पूरी तरह बदल देगा। देवेंद्रनगर की माटी को वैश्विक मंच पर नई पहचान दिलाना मेरे लिए गर्व की बात है।

डॉ. हृदय शाह जूदेव - जनकल्याण की विरासत, नवाचार की पहचान

अजयगढ़ राजघराने के सदस्य, बमुरी महराज सवाई डॉ. हृदय शाह जूदेव का मूल निवास बमुरी, देवेंद्रनगर है। जनकल्याण की भावना उन्हें विरासत में मिली है। वे इंटरनेशनल कोचिंग फेडरेशन से प्रशिक्षित लाइफ एवं लीडरशिप कोच, सूचना प्रौद्योगिकी एवं उद्यमिता क्षेत्र के विशेषज्ञ और अशित अंजना हेरिटेज फाउंडेशन के माध्यम से समाजसेवी कार्यों में सक्रिय हैं।

भारत के लिए गर्व का क्षण

विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुमान के मुताबिक हर साल 2.7 मिलियन लोग सांप के डसने से प्रभावित होते हैं, जिनमें से 81,000 से 1.30 लाख मौतें होती हैं। 'गो-वेनम' न केवल इन आंकड़ों को कम करने की क्षमता रखता है, बल्कि यह भारत को आपातकालीन स्वास्थ्य नवाचार में अग्रणी बना सकता है।

शासकीय कन्या उमावि में मनाया उमंग दिवस विभिन्न खेल सहित कई उत्साहित कार्यक्रम आयोजित

अमानगंज। नगर अमानगंज की महत्वपूर्ण शैक्षणिक संस्थाओं में से एक शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अमानगंज में आज 12 सितम्बर को उमंग दिवस को बड़े ही उत्साह पूर्व मनाया गया। जिसमें छात्राओं को विभिन्न उत्साहवर्धक खेल खिलाए गए। और आईसीटी लेब में टीवी के माध्यम से इस अभियान की विस्तृत जानकारी दी गई। ष्उमंग है तो जिंदगी में रंग हैष इस थीम पर आधारित उमंग दिवस का आयोजन हुआ। शिक्षक आशीष खरे ने बताया

कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) द्वारा निर्धारित 10 जीवन कौशलों से परिचित करवाना है। कार्यक्रम की मदद से बच्चे जीवन में आने वाले चुनौतियों का सामना मजबूती से कर सकेंगे। कार्यक्रम का एक और उद्देश्य है कि बच्चों को जीवन में आगे बढ़ने के लिए तैयार किया जाये। यह कार्यक्रम स्कूल शिक्षा विभाग एवं संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष (यूएनएफपीए) के सहयोग से तैयार किया गया है। जीवन कौशल शिक्षा आधारित करिकुलम और उसके संचालन में की गई पिछले 7 वर्षों की कड़ी मेहनत से बच्चों के जीवन में आए सकारात्मक बदलाव को उत्साह के रूप में मनाया जा रहा है। कार्यक्रम में बच्चे एक-दूसरे के अनुभवों को साझा करते हैं और अन्य विद्यार्थियों को प्रोत्साहित एवं मार्गदर्शित करते है। उमंग स्कूल हेल्थ एवं वेलनेस कार्यक्रम एक फ्लैगशिप प्रोग्राम है जिसमें गतिविधि आधारित कक्षावार जीवन कौशल शिक्षा के मॉड्यूल हैं जिसे शिक्षा विभाग, स्वास्थ विभाग एवं यूनाईटेड नेशन्स पॉप्युलेशन फंड (यूएनएफपीए) की बराबर भागीदारी से मिलकर चलाया जा रहा है। प्रदेश की सभी शासकीय हाई एवं हॉयर सेकेंडरी स्कूलों में प्रत्येक मंगलवार को एक सत्र लिया जाता है। प्रत्येक शाला से 2 शिक्षकों को (एक पुरुष एवं एक महिला) हेल्थ एवं वेलनेस एंबेसेडर के रूप में प्रशिक्षित किया गया है। राज्य में अब तक लगभग 19 हजार शिक्षकों को प्रशिक्षित किया जा चुका है। यह प्रशिक्षित शिक्षक हेल्थ एंड वैलनेस एम्बेसडर कक्षाओं में जीवन कौशल गतिविधियों का संचालन करते हैं।

देवेंद्रनगर का अनूठा गौरवः पिता ने किया विश्व स्तरीय आविष्कार, बेटी ने जीते चार पदक

डॉ. हृदय शाह जूदेव के 'गो-वेनम' आविष्कार के बाद कुमारी देवांजना सिंह ने ऑल इंडिया प्ळै आर्चरी में दो स्वर्ण, दो रजत पदक जीतकर रचा नया इतिहास।

देवेन्द्रनगर। बुंदेलखंड की धरती एक बार फिर अपनी प्रतिभा और नवाचार से जगमगा उठी। देवेंद्रनगर (जिला पन्ना) के अजयगढ़ राजघराने की गौरवगाथा अब दोहरी हो गई है कृ पिता ने चिकित्सा जगत को जीवनरक्षक आविष्कार देकर अमर कर दिया तो पुत्री ने खेल जगत में देश-प्रदेश को गर्वित किया।

देवांजना ने चार पदक जीतकर रचा इतिहास

कक्षा 10वीं की छात्रा कुमारी देवांजना सिंह, पुत्री डॉ. राजकुमार सवाई हृदय शाह जूदेव, ने ऑल इंडिया 2025 आर्चरी प्रतियोगिता (मेयो कॉलेज, अजमेर दृ राजस्थान) में दो स्वर्ण और दो रजत पदक जीतकर राजकुमार कॉलेज रायपुर (छत्तीसगढ़), पूरे बुंदेलखंड, और अजयगढ़ राजघराने का नाम रोशन कर दिया। कम उम्र में इतनी बड़ी उपलब्धि उनका अनुशासन, समर्पण और असाधारण खेल कौशल दर्शाती है। यह सफलता निश्चित रूप से भविष्य में उन्हें और ऊँचाइयों पर ले जाएगी।

देवेंद्रनगर से जुड़ी जड़ें, वैश्विक पहचान की उड़ान

कुमारी देवांजना सिंह का परिवार बमुरी (देवेंद्रनगर), जिला पन्ना में निवास करता है। उन्होंने अपनी प्रारंभिक शिक्षा भारतीयम विद्यापीठ, देवेंद्रनगर से प्राप्त की। उनकी यह उपलब्धि दर्शाती है कि छोटे नगरों की प्रतिभा भी वैश्विक मंच पर चमक सकती है।

डॉ. हृदय शाह जूदेव ने विश्व को दिया 'गो-वेनम'

कुमारी देवांजना सिंह के पिता डॉ. हृदय शाह जूदेव ने दुनिया का पहला पहनने योग्य विषरोधी उपकरण 'गो-वेनम' विकसित कर चिकित्सा जगत में क्रांति ला दी। यह उपकरण सांप के डसते ही विष की पहचान कर सेकंडों में एंटी-वेनम इंजेक्ट कर देता है। देवेंद्रनगर की इस धरा से निकला यह आविष्कार अब पूरी दुनिया के लिए जीवनरक्षक ढाल बन सकता है।

देवेंद्रनगर के लिए दोहरी उपलब्धि, देश के लिए प्रेरणा

यह संयोग कमाल का है कि जहां एक ओर पिता ने विज्ञान, नवाचार और जनकल्याण में नई मिसाल कायम की है, वहीं पुत्री ने खेल जगत में परचम लहराया है। इस पिता-पुत्री की जोड़ी ने देवेंद्रनगर, पन्ना, मध्यप्रदेश और पूरे देश को गर्वित होने के दोहरे अवसर दिए हैं।

उपलब्धि विवरण -

पुत्रीकुमारी देवांजना सिंह, कक्षा 10वीं छात्रा प्रतियोगिता ऑल इंडिया प्ळै 2025 आर्चरी प्रतियोगिता, मेयो कॉलेज अजमेर पदक 2 स्वर्ण $ 2 रजत विद्यालय राजकुमार कॉलेज रायपुर (छत्तीसगढ़) मूल निवास बमुरी, देवेंद्रनगर (जिला पन्ना) पिता डॉ. सवाई हृदय शाह जूदेव - गो-वेनम' आविष्कारक माता- कुँवरानी रचना कुमारी विशेषता पिता-पुत्री दोनों ने देवेंद्रनगर को राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाई।

नगर परिषद गुनौर के वार्ड क्रमांक 1, 2, 3, का कांग्रेसियों ने किया भ्रमण, देखा तीन साल का विकास

मूलभूत सुविधाओं से कोसों दूर नगर के वार्ड लोगों ने सुनाई समस्याएं

गुनौर।

ब्लॉक कांग्रेस कमेटी गुनौर के तत्वाधान में नगर व क्षेत्र की समस्याओं के संबंध में सप्ताहिक एक बार्ड एक ग्राम जनसंपर्क अभियान के तहत गुनौर नगर परिषद के बार्ड 1,2,3 में सभी कांग्रेसजनों के साथ स्थानीय नागरिकों से संपर्क किया जहाँ स्वच्छता के नाम पर भारी अनियमितता देखी गई कहने को तो दो दो सत्तादल एक विपक्षी दल कांग्रेस से पार्षद हैं पर विकास दूर दूर तक नहीं दिखाई दे रहा है अधूरी पड़ी नालियों से बदबू सडकों पर गढ्डे व कीचड़ होने से आम जन जीवन अस्तव्यस्त है पीने के लिए पानी के लिए हैंडपंप पर आश्रित है जहां महिलाएं लाइन लगा कर अपने नंबर आने का इंतजार करती है, पाईप लाईन खुदी सड़कों में डली है जो हादसों को निमंत्रण दे रही है जबकि आऐ दिन नगर परिषद के जिम्मेदार करोड़ों की विकास योजनाओं का बखान करते नहीं थकते, वार्ड के महिलाओं, बच्चों युवाओं बुजुर्ग लोगों से विकास की जानकारी ली तो उनका कहना था कि यह नगर परिषद नहीं अब ष्नरक परिषद हो गई है पंचायत द्वारा किए गए कार्य ही दिख रहे है उनमें से कुछ तो सड़के नालियां बनाने के नाम पर नष्ट कर दी गई है जो आज भी अधूरी डली है, पानी निकासी की कोई उचित व्यवस्था नहीं की गई है जिससे सड़कों पर गंदा पानी कीचड़ बन गया है, प्रकाश की भी उचित व्यवस्था नहीं की गई है रात में अंधकार छाया रहता है खंभों में लगी लाईट सिर्फ दिखावा है ऐसा कहना है। स्थानीय मीडिया की उपस्थिति में सभी कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उक्त वार्ड की गलियों में खड़े होकर शासन प्रशासन को आईना दिखाने का काम किया है। इस अवसर पर उपस्थित कार्यकर्ताओं व सामाजिक व्यक्तियों में प्रमुख रूप से ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष अरुण बबलू गौतम, महेश गौतम, संजय तिवारी, कुलदीप सिंह डिघौरा, केशरी अहिरवार,यशु बुंदेला, श्रवण तिवारी, विनोद विलोहा, रविंद मिश्रा, रामाधार लोधी कृष्ण कुमार कुशवाहा मनोज नामदेव मुन्ना लाल लोधी सहित नगर के लोग उपस्थित रहे।

सांसद की अध्यक्षता में दिशा की बैठक 18 सितम्बर को

पन्ना। खजुराहो सांसद विष्णु दत्त शर्मा की अध्यक्षता में गुरूवार, 18 सितम्बर को कलेक्टेट सभाकक्ष में सुबह 11 बजे जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक होगी। बैठक में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, जल जीवन मिशन, आयुष्मान भारत योजना, डीएमएफ एवं प्रधानमंत्री आवास ग्रामीण एवं शहरी के क्रियान्वयन सहित उज्ज्वला योजना, विद्युत विभाग के कार्यों तथा प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई व कृषि बीमा योजनाओं और भारत सरकार के अन्य सभी प्रमुख योजनाओं की भी समीक्षा होगी। दिशा की बैठक में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए पन्ना टाईगर रिजर्व के अधिकारियों के साथ भी आवश्यक चर्चा की जाएगी। जिला कलेक्टर द्वारा इस अवसर पर सर्वसंबंधितों से उपस्थित रहने का अनुरोध किया गया है।

लाड़ली बहनों को मिली सितम्बर माह की आर्थिक सहायता राशि

पन्ना। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शुक्रवार को झाबुआ जिले के पेटलावद में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम के माध्यम से मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना की हितग्राही महिलाओं को सितम्बर माह की आर्थिक सहायता राशि का सिंगल क्लिक के जरिए अंतरण किया। पन्ना जिले की एक लाख 82 हजार 131 लाड़ली बहनों को भी योजना की 28वीं किस्त के रूप में 22 करोड़ 28 लाख रूपए का भुगतान किया गया है। इसके अलावा सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग की 11 योजनाओं में एक लाख 1 हजार 247 हितग्राहियों को 607.41 लाख की सहायता राशि मिली। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा जिला स्तर पर कलेक्टर कार्यालय के सभागार में कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें जिला कार्यक्रम अधिकारी सहित बाल विकास परियोजना अधिकारी पन्ना शहरी, सेक्टर पर्यवेक्षक, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और हितग्राहियों ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव के उद्बोधन को सुना। जिले की सभी ग्राम पंचायतों, ग्राम और वार्डों में भी लाइव प्रसारण के माध्यम से मुख्यमंत्री जी के उद्बोधन को उत्साहपूर्वक सुना गया।

खबर संक्षेप

रेस्पॉन्सिव गवर्नेंस ग्रुप ओरिएंटेशन एवं वर्कशॉप संपन्न

लवकुश नगर। भारत सरकार के जनजातीय कार्य मंत्रालय के निर्देशानुसार नगर में विकासखंड स्तरीय दो दिवसीय आदि कर्म योगी अभियान के तहत रेस्पॉन्सिव गवर्नेंस ग्रुप ओरिएंटेशन एवं वर्कशॉप का आयोजन जनपद पंचायत सभागार में किया गया। कार्यशाला के दौरान विभिन्न गतिविधियों एवं वीडियो प्रस्तुतीकरण के माध्यम से ब्लॉक मास्टर ट्रेनर द्वारा ग्राम स्तर पर कार्य करने तथा विलेज एक्शन प्लान तैयार करने की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। सभी विकासखंड मास्टर ट्रेनर्स के द्वारा अभियान अंतर्गत विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से आवश्यक जानकारियां दी गई। विभागीय अधिकारियों एवं ग्राम स्तर के कर्मचारियों तथा क्षेत्रीय एसएचजी महिलाओं को सेवा समर्पण एवं संकल्प की भावना के साथ कार्य करते हुए अंतिम छोर तक सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित करने हेतु प्रेरित किया गया। विकासखंड लवकुश नगर अंतर्गत ग्राम पंचायत राजापुर के ग्राम टिकटाई में आदि सेवा केंद्र का संचालन प्रारंभ किया जाएगा। कार्यशाला में ब्लॉक मास्टर ट्रेनर विक्रम सिंह, जीडी सोनकिया, सुनील अहिरवार, पीसी प्रजापति, यूएस भडेरिया एवं मयंक सैनी की सहभागिता रही। इस अवसर पर अनुविभागीय अधिकारी राजस्व और मुख्य कार्यपालन अधिकारी उपस्थित रहे।

मोटर पंप को कुआं में डालते समय किसान को लगा करंट, मौके पर तोड़ा दम

ईशानगर। थाना क्षेत्र के पहाड़गांव के शुक्रवार की दोपहर एक दुखद हादसे में अधेड़ किसान की मौत हो गई। बताया गया है कि किसान खेत में विद्युत मोटर पंप चला रहा था, इसी दौरान करंट की चपेट में आ गया। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरु की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार दोपहर के वक्त पहाड़गांव निवासी मोहन पुत्र बागी कुशवाहा उम्र 50 वर्ष विद्युत मोटर चला रहा था, इसी दौरान करंटे की चपेट में आ गया। करंट इतना तेज था कि मोहन की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने पंचनामा कार्रवाई के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेजा, साथ ही मर्ग कायम कर विवेचना शुरु की।

नेशनल लोक अदालत का आज होगा आयोजन

लोक अदालत के सफल आयोजन के लिए जिला न्यायालय एवं तहसील न्यायालयों सहित कुल 31 खंडपीठ गठित

छतरपुर। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली के आदेश के परिपालन में तथा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर एवं छतरपुर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशन में कल शनिवार 13 सितम्बर 2025 को जिला न्यायालय एवं तहसील न्यायालयों में नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। उक्त नेशनल लोक अदालत में जिला न्यायालय एवं तहसील न्यायालयों में कुल 31 खण्डपीठों का गठन किया गया। जिसमें 13 जिला स्तर एवं 18 तहसील स्तर पर जिनके द्वारा आपसी सुलह समझौतों के आधार पर प्रकरणों का निराकरण किया जाएगा। एवं राजीनामा के माध्यम से सिविल, क्रिमिनल, क्लेम, वैवाहिक एवं न्यायालयों में लंबित समस्त राजीनामा योग्य प्रकरण, साथ ही विद्युत विभाग, नगरपालिका, बैंक, वित्तीय संस्थान, ऋण संबंधी एवं दूरसंचार विभाग के प्रीलिटिगेशन एवं न्यायालय में लंबित प्रकरणों का निराकरण किया जायेगा। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष रविन्दर सिंह ने आमजन एवं पक्षकारगण से अधिक से अधिक संख्या में न्यायालय में उपस्थित होकर आपसी सुलह-वार्ता एवं समझौता के माध्यम से प्रकरणों का निराकरण करने की अपील की है।

छतरपुर पुलिस ने पकड़े करीब एक दर्जन फर्जी सिम विक्रेता

ऑपरेशन फास्ट के तहत हुई कार्रवाई, पुलिस ने आम लोगों को किया सचेत

छतरपुर। साईबर अपराधों की रोकथाम के लिए पुलिस मुख्यालय के निर्देशन में एसपी अगम जैन द्वारा चलाए जा रहे ऑपरेशन फास्ट (फॉज़्ड-एक्टिवेटेड-सिम-टर्मिनेशन) के तहत छतरपुर पुलिस द्वारा बड़ी कार्रवाई करते हुए करीब एक दर्जन ऐसे लोगों को गिरफ्तार किया है जो जिले के अलग-अलग इलाकों में फर्जी तरीके से सिमकार्ड बेच रहे थे। बताया गया है कि सभी आरोपी अपने ग्राहकों के आधार कार्ड और फिंगरप्रिंट का दुरुपयोग करते हुए फर्जी सिम सक्रिय कर रहे थे, जो कि अपराध का हिस्सा है। शुक्रवार को एएसपी विदिता डागर ने पुलिस कॉन्फ्रेंस हॉल में मामले का खुलासा करते हुए कार्रवाई की विस्तृत जानकारी दी।

एएसपी विदिता डागर ने बताया कि एसपी अगम जैन के निर्देश पर राज्य साइबर पुलिस मुख्यालय के मार्गदर्शन में 15 सदस्यीय टीम गठित की गई थी, जिसने छतरपुर कोतवाली, ईशानगर, गढ़ीमलहरा, महाराजपुर और लवकुशनगर थाना क्षेत्रों में सिम विक्रेताओं के रिकॉर्ड और दस्तावेजों की जांच की। जांच में 13 पीओएस धारकों द्वारा फर्जी तरीके से सिम बेचे जाने की जानकारी सामने आई, जिसके बाद उनके विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता, आईटी एक्ट और टेलीकम्युनिकेशन एक्ट के तहत अपराध दर्ज किए गए। एएसपी ने बताया कि अभी ईशानगर निवासी सुंदर रैकवार, महाराजपुर निवासी मनोज कुशवाहा, कालीचरन कुशवाहा, गनपत प्रजापति, गढ़ीमलहरा निवासी गौरव चौरासिया, गोलू चौरासिया, अमित चौरसिया और लवकुशनगर निवासी संगीता कुशवाहा, मुकेश पटेल, अभिषेक पाठक तथा जीतेन्द्र कुमार त्रिपाठी को गिरफ्तार किया गया है। शेष आरोपियों की तलाश जारी है। पूछताछ में खुलासा हुआ कि उक्त आरोपी सिम पोर्ट कराने या बैंक खातों से पैसे निकालने आए ग्राहकों के अंगूठे के निशान और आधार कार्ड का दुरुपयोग कर फर्जी सिम सक्रिय करते थे, जिन्हें अन्य राज्यों में साइबर ठगी के लिए भेजा जाता था। पुलिस रैकेट से जुड़े अन्य लोगों की तलाश में पूछताछ और जांच कर रही है। इस मौके पर एएसपी विदिता डागर ने आमजन से अपील करते हुए कि वे केवल अधिकृत विक्रेताओं से सिम लें, व्यक्तिगत पहचान दस्तावेजों का सावधानी से उपयोग करें और संदिग्ध गतिविधियों की सूचना तुरंत दें। इसके अलावा नागरिक संचार साथी वेबसाईट पर अपने आधार कार्ड से जारी सिमों की जानकारी प्राप्त कर अनुपयोगी सिम बंद भी करा सकते हैं।

ऑपरेशन विश्वास के तहत पकड़ा गया मोबाइल चोर गिरोह

छतरपुर पुलिस ने जिला स्तरीय ऑपरेशन विश्वास के तहत मोबाइल चिरोह गिरोह को भी पकड़ा है, जिसका खुलासा भी एएसपी विदिता डागर ने किया। एएसपी ने बताया कि गुम मोबाइल फोन की सर्चिंग हेतु तकनीकि पोर्टल संबंधी प्रशिक्षण प्राप्त पुलिसकर्मियों द्वारा जिले के नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्र के बाजारों, सार्वजनिक स्थानों पर मोबाइल चोरी की घटना पर नियंत्रण हेतु बारीकी से निगरानी की जा रही है। पिछले दिनों गढ़ीमलहरा थाना में 4, बमीठा में 4, राजनगर में 3, मातगुंवा में 2 और गुलगंज तथा थाना कोतवाली में एक-एक मोबाइल चोरी का अपराध पंजीबद्ध किया गया था। गठित पुलिस टीम द्वारा उक्त सभी प्रकरणों में बारीकी से भौतिक एवं तकनीकी साक्ष्य एकत्र किए गए। एकत्रित साक्ष्य के अनुसार मोबाइल चोरी के एक गिरोह के बारे में जानकारी मिली, जिसके कुछ सदस्य झारखंड के हैं। पुलिस टीम ने उक्त गिरोह के चार सदस्य संदीप पुत्र बालादीन कुशवाहा निवासी नौगांव रोड छतरपुर, चंदर पुत्र सौदागर नोनिया (महतों), बीरबल पुत्र राजेंद्र राय दोनों निवासी निवासी बाबूपुर थाना तीनपहाड़ जिला साहिबगंज झारखंड और एक नाबालिग को अभिरक्षा में लिया गया। उक्त लोगों के पास से चोरी के कुल 26 मोबाइल फोन और एक आपे कंपनी का ऑटो बरामद किया गया है। गिरोह के सदस्य छतरपुर जिले सहित अन्य जिलों में मोबाइल चोरी की घटना को अंजाम दे रहे थे।

दबंगों से पीड़ित दलित महिला की फरियाद नहीं सुन रहा प्रशासन, कलेक्टर से इंसाफ की मांग

नौगांव। जिले के महाराजपुर थाना क्षेत्र के ग्राम पुतरी निवासी दलित महिला की कृषि भूमि पर गांव के दबंग अवैध कब्जा करने की कोशिश कर रहे हैं। खेत पर बने उसके मकान को भी हड़पने की साजिश की जा रही है। पीड़ित महिला अनारी बाई अहिरवार अपने परिजनों के साथ अपनी जमीन को दबंगों के अवैध कब्जे से बचाने के लिए कलेक्टर पार्थ जयसवाल, नौगांव एसडीएम और महाराजपुर तहसीलदार , महाराजपुर थाना पुलिस से लिखित शिकायत कर चुकी है। लेकिन उसकी शिकायत पर कहीं कोई सुनवाई नहीं हो रही है । अनारी बाई के मुताबिक मौजा पुतरी के खसरा क्रमांक 664 में स्थित करीब 5 एकड़ जमीन पर मुकेश पटेल निवासी ग्राम पिपट तथा कल्याण सिंह और नाहर सिंह निवासी ग्राम पुतरी अवैध कब्जा करने की कोशिश कर रहे हैं। विरोध करने पर आरोपियों ने पीड़ित को लाठी डंडों और कुल्हाड़ी के जरिए जान से मार डालने की धमकी दी है। पिपट गांव निवासी मुकेश पटेल ने पीड़ित अनारी बाई अहिरवार की जमीन के बगल में कृषि भूमि खरीदी है महाराजपुर तहसील अमले की मिली भगत से जमीन के सीमांकन में गड़बड़ी करके अनारी बाई एवं मोहन अहिरवार, मंगल प्रसाद अन्य की जमीन को अपना बता कर अवैध कब्जे का प्रयास किया जा रहा है। पीड़ित दलित महिला ने कलेक्टर पार्थ जायसवाल से मांग की है कि उसे तत्काल इंसाफ दिलाया जाए और आरोपियों के खिलाफ तत्काल कठोर कार्रवाई की जाए।

विश्वविद्यालय को हाई कोर्ट के निर्देश, 60 दिन में शुरू करें विधिवत भर्ती प्रक्रिया

अतिथि विद्वानों को भर्ती में मिलेगा 25 फीसदी हिस्सा

छतरपुर। महाराजा छत्रसाल बुंदेलखंड विश्वविद्यालय हमेशा सुर्खियों में रहता है। चाहे यहां भर्ती की प्रक्रिया हो या परीक्षाएं आयोजन की बात हो, अक्सर विवाद की स्थिति निर्मित होती है। हाल ही में विश्वविद्यालय में सहायक प्राध्यापक भर्ती किए जाने की प्रक्रिया शुरू की गई थी लेकिन विश्वविद्यालय में काम करने वाले अतिथि विद्वानों ने न्यायालय का सहारा लिया। परिणाम स्वरूप हाईकोर्ट ने विश्वविद्यालय को निर्देशित किया है कि वह 7 दिन के भीतर विज्ञापन निकालकर विधिवत भर्ती प्रक्रिया संचालित करें। इस प्रक्रिया में 25 फीसदी कोटा अतिथि विद्वानों का रहेगा।

जानकारी के मुताबिक महाराजा छत्रसाल बुंदेलखंड विश्वविद्यालय की ओर से सहायक प्राध्यापकों की भर्ती की जा रही थी ऑफलाइन प्रक्रिया अपनाये जाने के खिलाफ अतिथि विद्वान डॉ. नितेश मिश्रा एवं अन्य द्वारा उच्च न्यायालय जबलपुर का सहारा लिया गया। रिट क्रमांक 7778/ 2025 के माध्यम से उच्च न्यायालय में याचिका दायर की गई। सुनवाई के बाद उच्च न्यायालय ने विश्वविद्यालय को निर्देशित किया कि 60 दिन के भीतर सहायक प्राध्यापकों की भर्ती का विज्ञापन जारी करें। भर्ती में अतिथि विद्वानों का 25 फ़ीसदी हिस्सा रखना पड़ेगा। इस निर्णय से अतिथि विद्वानों में हर्ष है।

कर्मचारी की शराब खोरी का मामला ठंडा बस्ते में

विश्वविद्यालय में पदस्थ कर्मचारी आकाश जैन के शराब खोरी के कथित वीडियो वायरल हुए थे। वायरल वीडियो के बाद जांच हुई लेकिन संबंधित कर्मचारी के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं हुई जिससे उसके हौसले और बुलंद है। उधर विश्वविद्यालय परिसर में शराब खोरी जैसी घटना किए जाने से लोगों में विश्वविद्यालय के प्रति आस्था घट रही है। लोगों का कहना है कि विद्या के मंदिर में इस तरह का कृत्य करने वाले को अब तक कार्रवाई से आखिर क्यों बचाया गया। विश्वविद्यालय प्रबंधन पर तमाम सवाल खड़े हो रहे हैं।

बिना संसाधनों के बीएससी कृषि की बढी सीटें

विश्वविद्यालय में बीएससी कृषि की सीटें बढ़ाई गई है। मूलभूत सुविधाओं से दूर महाराजा छत्रसाल बुंदेलखंड विश्वविद्यालय बढ़ी हुई सीटों के लिए कैसे व्यवस्था कर पाएगा यह तो आने वाला समय ही बताएगा लेकिन बीएससी कृषि के लिए सीटें बढ़ा दी गई है। विश्वविद्यालय के पास न तो पर्याप्त प्राध्यापक है न ही प्रयोगशाला है। महाराजा कॉलेज में कक्षाएं संचालित हो रही है। यदि इतने विशाल महाराजा कॉलेज को विश्वविद्यालय में न मर्ज किया गया होता तो विश्वविद्यालय के पास स्वयं का भवन भी नहीं था। हर्बल गार्डन, कंप्यूटर जैसी पर्याप्त सुविधाएं भी नहीं है।

भाजपा नेता के हमलावरों आरोपी शिक्षक सहित अन्य को न्यायालय ने भेजा जेल

छतरपुर।

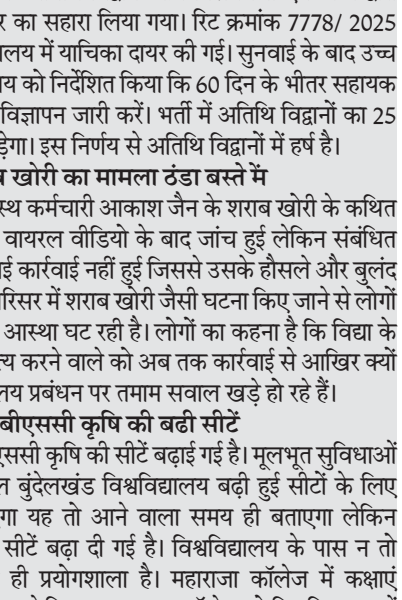

जिले के सरवई थाना अंतर्गत कस्बे में बीते 24 अप्रेल 2025 को किशोरीपुखरी मार्ग पर राजेश सोनी की जमीन पर हो रहे मकान निर्माण के बाद आरोपी शिक्षक सुरेश द्विवेदी जो की शासकीय हाई स्कूल खड़ेहा में पदस्थ हैं के अलावा अन्य आरोपी रमेश द्विवेदी, अवला द्विवेदी, आशुतोष द्विवेदी ने एक राय होकर भाजपा नेता अवध किशोर मिश्रा पर लोहे की रॉड से जानलेवा हमला कर दिया था। इस घटना में भाजपा नेता अवध किशोर मिश्रा को गंभीर चोटें आई थी। आरोपियों पर थाना पुलिस सरवई ने विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर आरोपियों को गिरफ्तार कर माननीय न्यायिक मजिस्ट्रेट लवकुशनगर विनय तिवारी के न्यायालय में पेश किया जहां से न्यायिक मजिस्ट्रेट विनय तिवारी ने आरोपी शिक्षक सुरेश द्विवेदी सहित सभी आरोपियों को लवकुशनगर जेल भेज दिया।

जब इस संबंध में जिला शिक्षा अधिकारी अरुण शंकर से बात की तो उन्होंने कहां की मेरे संज्ञान में अभी मामला नहीं आया हैं। अगर कोई शिकायत आती हैं तो आरोपी शिक्षक पर विधिसम्वत कार्यवाही करते हुए निलंबित करने की कार्यवाही की जाएगी।

चारों आरक्षकों ने अपनी सुविधा अनुसार 2-2 शिफ्ट में बाँट रखी थी ड्यूटी, रात में 4 नहीं 2 आरक्षक थे डियूटी में

कैदी वार्ड से पुलिस की राइफल लेकर फरार हुये

मामला : आरोपी के राइफल लेकर फरार होने का निलंबित आरक्षकों के मोबाइल के खंगाले गये कॉल डिटेल,आरोपी की बात करवाने के मिले प्रमाण

छतरपुर। कैदी वार्ड से पुलिस की राइफल लेकर फरार हुये हत्या के प्रयास के आरोपी रविन्द्र सिंह परिहार का दूसरे दिन भी पुलिस की टीमें कोई सुराग नहीं लगा पाई हैं। दूसरे दिन सागर संभाग के आईजी खन्ना भी छतरपुर पहुंची और पुलिस अधीक्षक कार्यालय में डीआईजी, पुलिस अधीक्षक के साथ चर्चा करते हुये अपराधी को पकडऩे की रणनीति तैयार की। हालाकि पुलिस अधीक्षक द्वारा पहले ही पुलिस की कई टीमें आरोपी को पकडऩे के लिए बना दी गई थीं। लेकिन दूसरे दिन तक किसी भी टीम को सफलता नहीं मिली है। जिससे पुलिस की काफी किरकिरी हो रही है और छतरपुर से लेकर भोपाल तक छतरपुर पुलिस की बदनामी हुई है। इन चार आरक्षकों ने चंद लाभ के चलते पुलिस की नाक कटवा दी। आरोपी भागने तक तो गनीमत थी लेकिन वह पुलिस की राइफल लेकर भागा जो पुलिस के लिए सबसे बड़ी शर्मनाक घटना है।

कॉल डिटेल में मिले आरोपी की बात करवाने के सबूत -

सूत्रों से जानकारी मिली है कि पुलिस अधीक्षक द्वारा चारों आरक्षकों के मोबाइल जप्त कर उनके कॉल डिटेल निकलवाये

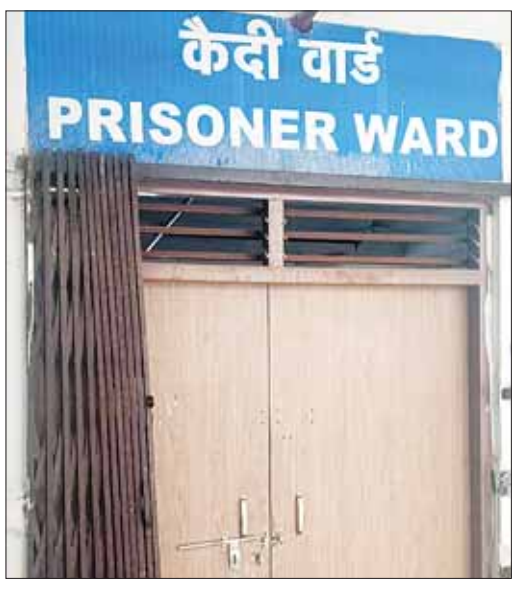

गये तो पता चला कि दो आरक्षक आरोपी की बात अपने मोबाइल से करवाते थे। वह भी आधे-आधे घंटे तक बात होती थी। पुलिस अधीक्षक ने इस मामले को बहुत ही गंभीरता से लिया है। कॉल डिटेल के आधार पर स्पष्ट हो चुका है कि निलंबित पुलिसकर्मी आरोपी की अपने मोबाइल से बात करवाते थे और कहीं न कहीं उसके फरार होने में इन पुलिसकर्मियों की भूमिका संदिग्ध है। पुलिस सूत्रों से यह भी जानकारी मिली है कि कॉल डिटेल में आरोपी की बात मोबाइल से करवाये जाने के प्रमाण मिलने पर एफआईआर भी हो सकती है।

4 नहीं 2 आरक्षक रहते थे डियूटी में -

सूत्रों से यह भी जानकारी मिली है कि जिन चार पुलिसकर्मियों की डियूटी कैदी वार्ड में लगाई गई थी वह चारों डियूटी न देकर आपस में बातचीत करके दो-दो लोग रात को डियूटी करते थे। सूत्रों से यह भी पता चला है कि घटना वाले दिन भी दो पुलिसकर्मी कैदी वार्ड में डियूटी पर थे जो शराब के नशे में सो रहे थे और दो पुलिसकर्मी अपने घर पर सो रहे थे। जबकि नियमानुसार चारों आरक्षकों को कैदी वार्ड में ही सोना चाहिए था। क्या इस लापरवाही के लिए पुलिस अधीक्षक अलग से कार्यवाही करेंगे।

तत्काल क्यों नहीं कराया मेडिकल परीक्षण

जो पुलिसकर्मी निलंबित किये गये हैं उन सभी का मेडिकल परीक्षण तत्काल कराया जाना चाहिए लेकिन जानकारी मिली है कि उनका मेडिकल परीक्षण नहीं कराया गया। यदि मेडिकल परीक्षण तत्काल कराया जाता तो शायद इस बात का खुलासा हो जाता है कि कौन-कौन आरक्षक शराब के नशे में था।

बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करने पुलिस ने दी कड़ी हिदायत

लवकुशनगर। स्कूली बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पुलिस ने स्कूल वाहनों की सघन जांच अभियान चलाया। इस दौरान कई वाहनों में अनियमितताएं पाई गईं, जिनके खिलाफ चालानी कार्रवाई की गई और चालकों को कड़ी हिदायत दी गई। अभियान का मकसद बच्चों को सुरक्षित परिवहन उपलब्ध कराना था।

गुरुवार को लवकुशनगर थाना क्षेत्र में पुलिस अधीक्षक अगम जैन के निर्देश और एसडीओपी नवीन दुबे व थाना प्रभारी अजय अम्बे के मार्गदर्शन में छतरपुर रोड स्थित क्रिश्चियन स्कूल और कस्बे में बच्चों को लाने-ले जाने वाले वाहनों की जांच की गई। जांच में वाहनों की फिटनेस, ओवरलोडिंग, चालकों की योग्यता, खिड़कियों पर जाली, आग बुझाने के यंत्र और आपातकालीन निकास जैसे सुरक्षा मानकों की पड़ताल की गई। क्रिश्चियन स्कूल के वाहनों में कई खामियां पाई गईं, जैसे कुछ वाहनों में क्षमता से अधिक बच्चे भरे थे और कई चालकों ने सीट बेल्ट नहीं पहनी थी। पुलिस ने चालकों को कड़ी चेतावनी देते हुए कुछ वाहनों के खिलाफ चालानी कार्रवाई की। इस अभियान में थाना प्रभारी अजय अम्बे, पठा चौकी प्रभारी श्याम बैन, आरक्षक राहुल सिंह, देव सिंह और विकास खन्ना मौजूद रहे।

हरपालपुर में पुलिस लाइन के पास विशालकाय वृक्ष गिरा, दो गुमटियां क्षतिग्रस्त

बिजली आपूर्ति घंटों बाधित, यातायात पर भी असर

हरपालपुर। थाना के पास पुलिस लाइन गेट के निकट खड़ा एक पुराना विशालकाय वृक्ष अचानक गिर पड़ा, जिससे दो गुमटियां और उनका सामान पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। वृक्ष के गिरने से बिजली के तार टूट गए, जिसके कारण पुलिस कॉलोनी और आसपास के इलाके में घंटों बिजली गुल रही। मुख्य सड़क पर भी कुछ देर के लिए यातायात बाधित हो गया। गुरुवार दोपहर करीब 2 बजे हरपालपुर थाना से चंद कदम दूर पुलिस लाइन गेट के पास खड़े सालों पुराने चिल्ला के

विशालकाय वृक्ष के नीचे भगवान दास साहू दो गुमटियां लगाकर किराना और साइकिल पंक्चर की दुकान चला रहे थे। आसपास के लोग भी धूप से बचने के लिए इसके नीचे अक्सर बैठते हैं। दोपहर में स्थानीय लोगों ने वृक्ष के जड़ों के कमजोर होने और गिरने के खतरे की सूचना नगर परिषद और बिजली विभाग को दी थी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। अचानक वृक्ष भरभरा कर गिर पड़ा, जिससे जोरदार धमाके के साथ बिजली के तार टूट गए। इसकी चपेट में आने वाली दोनों गुमटियां पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गईं। सूचना मिलते ही थाना पुलिस, नगर परिषद का अमला, मुख्य नगरपालिका अधिकारी शैलेंद्र सिंह चौहान और बिजलीकर्मी मौके पर पहुंचे। जेसीबी मशीन से वृक्ष को मुख्य सड़क से हटाकर यातायात बहाल किया गया। नगर परिषद के सफाईकर्मियों ने कटर मशीन से टहनियां काटकर रास्ता साफ किया, जबकि बिजलीकर्मियों ने तारों की मरम्मत में जुट गए। स्थानीय लोगों का कहना है कि सूचना देने के दो घंटे बाद भी अधिकारियों ने ध्यान नहीं दिया, वरना बड़ा हादसा हो सकता था। गनीमत रही कि कोई हताहत नहीं हुआ।

दिव्यांग छात्रों के अभिभावकों का एक दिवसीय उन्मुखीकरण कार्यक्रम संपन्न

छतरपुर। राज्य शिक्षा केन्द्र भोपाल के निर्देशानुसार जिला शिक्षा केन्द्र छतरपुर की समावेशी शिक्षा शाखा (आई.ई.डी.) द्वारा जिले की शालाओं में अध्ययनरत दिव्यांग छात्रों के माता-पिता (अभिभावकों) का जिला स्तरीय एक दिवसीय उन्मुखीकरण प्रशिक्षण का आयोजन शा.उ.मा.वि.क्रं.-01 के सभागार में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ जिला शिक्षा केन्द्र के एपीसी नीरज खरे, वाईएन चतुर्वेदी द्वारा सरस्वती पूजन कर किया गया। इस अवसर पर अभिभावकों को संबोधित करते हुए एपीसी वाईएन चतुर्वेदी ने कहा कि दिव्यांग बच्चों किसी भी तरह से सामान्य बच्चों से कमजोर नहीं होते उन्हें यदि सकारात्मक माहौल मिले तो वे जीवन में श्रेष्ठताओं को प्राप्त करते हैं। एपीसी नीरज खरे ने सभी अभिभावको से ध्यान पूर्वक प्रशिक्षण में सहभागिता करते हुए शासन की समस्त योजनाओं को समझने का आवाहन किया। आईईडी प्रभारी डी.बी. पटेल द्वारा प्रशिक्षण के उद्देश्य, प्रशिक्षण की आवश्यकता, समावेशी शिक्षा, दिव्यांगता के प्रकार का विस्तार से प्रस्तुतीकरण किया। इस कार्यक्रम में 100 से अधिक अभिभावकों ने प्रशिक्षण में भाग लिया। उन्मुखीकरण में दिव्यांग बच्चों की शिक्षा, यूडीआईडी निर्माण, होम बेस बच्चों की शिक्षा, विभिन्न प्रकार के भत्तों जिला एवं विकासखंड स्तर पर संचालित संसाधन केंद्र ब्रेल लिपि एवं सांकेतिक भाषा एवं सीआरसी केंद्र, डीडी आरसी केंद्र से मिलने वाली सुविधाओं परपर विस्तृत चर्चा की गई। इस कार्यक्रम में आये सभी स्त्रोत पर्सन एवं एम.आर.सी. द्वारा शासन से प्राप्त सुविधायें एवं शिक्षा से संबंधित बातें बताई गयी और दिव्यांग छात्रों की शिक्षा एवं अभिभावकों के मन में उत्पन्न होने वाली समस्याओं का समाधान किया गया। उन्मुखीकरण में सी.आर.सी. के स्त्रोत पर्सन एवं समस्त एम.आर.सी. उपस्थित रहे। अंत में अभिभावकों को यात्रा भत्ता प्रदान करते हुए कार्यक्रम का समापन किया गया।

खबर संक्षेप

मऊगंज में "तनाव मुक्त, खुशनुमा जीवन" आध्यात्मिक सेमिनार का हुआ आयोजन

मऊगंज। ब्रह्माकुमारी सेवा केंद्र मऊगंज द्वारा कलेक्ट्रेट सभागार में "तनाव मुक्त, खुशनुमा जीवन" विषय पर आध्यात्मिक सेमिनार का आयोजन किया गया कार्यक्रम मे मुख्य वक्ता बीके अनिल भाई (दिल्ली) ने प्रेरक उद्बोधन देकर सभी को नई ऊर्जा और मुस्कान से भर दिया।यह आयोजन कलेक्टर संजय कुमार जैन के निर्देशन में हुआ। मुख्य अतिथि अपर कलेक्टर पी.के. पांडे और अध्यक्षता एडिशनल एसपी विक्रम सिंह ने जीवन में खुश रहने का संकल्प लिया। इस मौके पर एसडीओपी सचि पाठक, संयुक्त कलेक्टर ए.पी. दुबेदी सहित प्रशासन व पुलिस अधिकारी भी मौजूद रहे। बीके पूर्णिमा दीदी ने राजयोग मेडिटेशन कराया, वहीं बीके अनिल भाई ने नशा मुक्ति का संदेश देकर सभी को शपथ दिलाई। कार्यक्रम की सफलता का श्रेय रीवा संभाग क्षेत्रीय संचालिका राजयोगिनी बीके निर्मला दीदी की प्रेरणा को दिया गया।

पाक्सो और एट्रोसिटी एक्ट के गंभीर आरोपों से आरोपी दोषमुक्त

रीवा। मऊगंज थाना अंतर्गत पथरिया निवासी सलीम खान को पाक्सो एक्ट, अनुसूचित जाति-जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम और भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के अंतर्गत दर्ज गंभीर आरोपों से विशेष न्यायालय ने दोषमुक्त कर दिया है। यह फैसला विशेष पाक्सो न्यायालय के न्यायाधीश द्वारा बुधवार को सुनाया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, थाना मऊगंज में दर्ज अपराध क्रमांक 43/2025 में आरोपी सलीम खान पर भारतीय न्याय संहिता की धारा 332(c), 74, 75 के अलावा पाक्सो एक्ट की धारा 7, 8 तथा एट्रोसिटी एक्ट की धारा 3(d) व 3(v) के तहत प्रकरण दर्ज किया गया था। अभियोजन पक्ष के अनुसार, आरोपी ने पीड़िता के घर में घुसकर नाबालिग के साथ छेड़छाड़ और मारपीट की थी। मामले की सुनवाई विशेष पाक्सो न्यायालय में की गई।

उप मुख्यमंत्री ने डक्ट कूलिंग सिस्टम का किया लोकार्पण

डॉक्टर और चिकित्साकर्मी अस्पतालों की आत्मा हैं - डिप्टी सीएम

रीवा। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने संजय गांधी अस्पताल में डक्ट कूलिंग सिस्टम तथा 17 व्हील चेयर का लोकार्पण किया। डक्ट कूलिंग सिस्टम से दो वार्डों में रोगियों और उनके परिजनों को शीतल हवा मिलेगी। इसका निर्माण ऑक्सीजन आपूर्ति करने वाली कंपनी आईनॉक्स द्वारा 20 लाख रुपए की लागत से किया गया है। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री ने कहा कि रीवा तेजी से मेडिकल हब बनने की ओर अग्रसर है। उपचार के लिए नागपुर जाने वाले रोगियों की संख्या में कमी आई है। कुछ ही महीनों में कैंसर यूनिट का निर्माण पूरा होते ही रीवा में दो सौ बेड का कैंसर अस्पताल शुरू हो जाएगा। इसमें 40 करोड़ रुपए की लागत से लीनेक मशीन लगाई जा रही है। इस अस्पताल में कैंसर के उपचार की आधुनिकतम सुविधा उपलब्ध रहेगी। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि चिकित्सा सुविधाओं के विकास के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। संजय गांधी अस्पताल में सुधार तथा नई व्यवस्थाओं के लिए 321 करोड़ रुपए मंजूर किए गए हैं। सर्जरी विभाग में सिंगरौली की एनसीएल कंपनी द्वारा दी गई 6 करोड़ रुपए की सहयोग राशि से आधुनिक मशीन लगाई जा रही है। यहाँ के डॉक्टर बहुत अच्छे हैं। डॉक्टर और चिकित्साकर्मी अस्पतालों की आत्मा हैं। रोगियों का अच्छा उपचार करने के साथ उनसे मृदु व्यवहार भी करें। डॉक्टर के अच्छे व्यवहार से रोगी का आधा रोग ठीक हो जाता है। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि आईनॉक्स कंपनी ने कोरोना संकट के समय ऑक्सीजन की आपूर्ति करके सराहनीय कार्य किया। कंपनी ने संजय गांधी अस्पताल के दो वार्डों में कूलिंग सिस्टम लगाया है।समारोह में आईनॉक्स कंपनी के प्रतिनिधि अतुल कुमार ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि कंपनी प्रतिदिन 4500 टन ऑक्सीजन का निर्माण कर रही है। कोरोना काल में प्रतिदिन 40 टैंकर ऑक्सीजन की आपूर्ति प्रदेश को की जा रही थी। जनकल्याण के लिए कंपनी सदैव सहयोग करेगी। समारोह में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती नीता कोल, नगर निगम अध्यक्ष व्यंकटेश पाण्डेय, मेडिसिन विभाग के डॉ पीके बघेल, पूर्व जनपद अध्यक्ष लालबहादुर सिंह, संजय गांधी

अस्पताल के अधीक्षक डॉ राहुल मिश्रा, चिकित्सा अधिकारी डॉ यत्नेश त्रिपाठी, विवेक दुबे तथा आमजन उपस्थित रहे।

निर्माण कार्यों को तय समय सीमा में पूरा करें

उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने नवीन सर्किट हाउस सभागार में आयोजित बैठक में विभिन्न निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि बसामन मामा गौ वन्य विहार, पेयजल की आपूर्ति तथा जल संरक्षण के कार्य तत्परता से पूरा कराएं। हिनौती गौधाम में भी स्वीकृत निर्माण कार्य पूरा कराकर निराश्रित गौवंश को रखने की व्यवस्था करें। इसकी बाउन्ड्रीवॉल और सड़क निर्माण का कार्य तत्परता से पूरा कराएं। उप मुख्यमंत्री ने चिरहुलानाथ मंदिर परिसर में चल रहे निर्माण कार्यों तथा प्रधानमंत्री शहरी आवास योजना के संबंध में भी अधिकारियों को निर्देश दिए। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि रीवा बायपास का निर्माण दो माह में पूरा कराएं। इसी तरह बेला-सिलपरा सड़क का निर्माण भी तय समय सीमा में पूरा करें। इन सड़कों का निर्माण पूरा होने से आवागमन सुगम होगा। बैठक में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती नीता कोल, नगर निगम अध्यक्ष व्यंकटेश पाण्डेय, पूर्व महापौर वीरेन्द्र गुप्ता, एसडीएम हुजूर श्रीमती वैशाली जैन तथा निर्माण कार्यों से जुड़े अधिकारी तथा निर्माण एजेंसी के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

जिले कृषि कारोबार की अंधी दौड़, लाइसेंस रहित दुकानों में खुलेआम बिक रहा अमानक बीज, खाद और कीटनाशक

विभाग की उदासीनता से ठगी का शिकार हो रहे किसान

रीवा। रीवा जिले में रबी सीजन की शुरुआत के साथ ही खेती-किसानी की तैयारी जोरों पर है। लेकिन इसी सीजन में एक और कारोबार भी समानांतर गति से पनप रहा है अमानक बीज, खाद और कीटनाशकों की अवैध बिक्री का। बाजारों से लेकर दूर-दराज के गांवों तक अनगिनत दुकानों पर ये उत्पाद खुलेआम बिक रहे हैं, और सबसे चिंताजनक बात यह है कि इनमें से बड़ी संख्या में दुकानों के पास वैधानिक लाइसेंस तक नहीं है। ये हालात रीवा सहित मऊगंज जिले में भी है किसानों के सामने इस समय दोहरी मार है एक ओर खाद की मार, तो दूसरी ओर नकली और अमानक कृषि उत्पादों की बाढ़। प्रशासनिक आंकड़ों के अनुसार, जिले में लगभग 1200 से अधिक बीज और कीटनाशक विक्रेता सक्रिय हैं, जबकि लाइसेंसधारी दुकानों की संख्या महज 600 है। इसका अर्थ यह है कि 600 से अधिक दुकानें बिना किसी वैधानिक स्वीकृति के कृषि उत्पादों की बिक्री कर रही हैं। इनमें से अधिकांश दुकानें कस्बों और ग्रामीण इलाकों में संचालित हो रही हैं, जहां निगरानी व्यवस्था पहले से ही लचर है। रायपुर कर्चुलियान, मनगवां, त्योंथर, मऊगंज, चाकघाट, सेमरिया, हनुमना, नईगढ़ी जैसे क्षेत्रों में किसानों की संख्या अधिक है, और वहीं पर सबसे ज्यादा गैर लाइसेंसी दुकानें संचालित हो रही हैं।

बीज बोने के बाद जब अंकुर नहीं फूटते, तब होती है असलियत की पहचान

किसानों की व्यथा यह है कि जब खेत में बीज डालने के हफ्तों बाद भी अंकुरण नहीं होता, तब जाकर उन्हें एहसास होता है कि उन्हें ठगा गया है। लेकिन तब तक देर हो चुकी होती है, न तो दोबारा बीज खरीदने का समय बचता है और न ही संसाधन खेत सूने रह जाते हैं और किसान कर्ज के दलदल में फंसता चला जाता है। कृषि विशेषज्ञों का कहना है कि मानक बीजों का अंकुरण दर कम से कम 80 प्रतिशत होना चाहिए, जबकि अमानक बीजों का जर्मिनेशन रेट अक्सर 50-60 प्रतिशत से अधिक नहीं होता।

प्रशासनिक निष्क्रियता या सुनियोजित उदासीनता

जिले मे बड़ी संख्या में अवैध दुकानें बिना रोक-टोक संचालित हो रही हैं, कृषि विभाग समय-समय पर एडवाइजरी तो जारी करता है, लेकिन जमीनी स्तर पर जांच, कार्रवाई और निगरानी की गंभीर कमी दिखाई देती है। किसानों को प्रमाणित बीज उपलब्ध कराने वाली सरकारी व्यवस्था भी सवालों के घेरे में है। बीज वितरण के सरकारी केंद्रों पर अक्सर स्टॉक की कमी, असमय वितरण और लंबी कतारें देखने को मिलती हैं। इससे हताश होकर किसान बाजार का रुख करता है, जहां उसके साथ छल होता है।

पुराने लाइसेंस की आड़ में कारोबार जारी

सूत्रों की मानें तो कई दुकानों ने लाइसेंस के लिए आवेदन तक नहीं किया है और कुछ पर पुराने लाइसेंस की आड़ में कारोबार चल रहा है। कुछ मामलों में ऐसे दुकानदार भी सामने आए हैं, जिन्होंने नकली लाइसेंस पत्र बनवाकर व्यापार शुरू किया है। यह स्थिति न केवल किसानों के लिए हानिकारक है, बल्कि यह खाद्य सुरक्षा, पर्यावरण और स्थानीय अर्थव्यवस्था के लिए भी एक दीर्घकालिक खतरा बनती जा रही है।

मैदानी स्कूल में मनाया गया 'उमंग है तो जीवन में तरंग है' कार्यक्रम

रीवा। जीवन के कौशल से परिचित कराने और भावी जीवन के लिए विद्यार्थियों को मानसिक तथा भावनात्मक रूप से सुदृढ़ करने के उद्देश्य से उमंग है तो जीवन में तरंग है कार्यक्रम चलाया जा रहा है। इसके अंतर्गत ' उमंग दिवस' का आयोजन शासकीय हाई स्कूल मैदानी में समारोह पूर्वक आयोजित किया गया। समारोह में सहायक संचालक महिला एवं बाल विकास आशीष द्विवेदी ने कहा कि यह कार्यक्रम वर्ष 2020 से चलाया जा रहा है। यह कार्यक्रम विद्यार्थियों के लिए बहुत अच्छा साबित हुआ है और पूरे प्रदेश में इसकी सफलता की अनेक कहानियां है। अन्य वक्ताओं ने भी इस विषय पर अपने विचार रखें एवं कार्यक्रम की महत्व प्रतिपादित किया। स्वाति श्रीवास्तव ने चाइल्ड लाइन नंबर 1098 का उपयोग विद्यार्थियों को बताया। श्रीमती ममता नरेंद्र सिंह ने विद्यार्थियों को समाज में बिना भेदभाव के आगे बढ़ाने की सीख दी और अच्छे

भविष्य की कामना की। उन्होंने पढ़ाई के महत्व को भी समझाया।समारोह में संस्था के प्राचार्य राघवेंद्र सिंह ने अतिथियों का स्वागत किया। सभी अतिथियों को उमंग कॉर्नर का अवलोकन किया और विद्यालय में होने वाली गतिविधियों की जानकारी ली। इस अवसर पर बच्चों को आकर्षक पुरस्कार भी दिए गए और उनकी गतिविधियों से अतिथियों को परिचित भी कराया गया। कार्यक्रम में आभार प्रदर्शन अनिल शुक्ला ने किया। कार्यक्रम का संयोजन संचालन हेल्थ एंड वैलनेस एम्बेसडर और उमंग कार्यक्रम की जिला स्तरीय मास्टर ट्रेनर श्रीमती मनु सिंह ने किया। कार्यक्रम में सभी शिक्षक, विभा तिवारी, मनोरमा पाण्डेय, वंदना तिवारी, सविता उपाध्याय, उमा त्रिपाठी, इंद्रलाल कोरी, कादिर मंसूरी उपस्थित रहे।

केन्द्रीय जेल में प्रारंभ हुआ स्व-रोजगार मूलक मोटर साईकल रिपेयरिंग प्रशिक्षण

रीवा। ग्रामीण विकास भारत सरकार द्वारा संचालित उद्यमिता विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत यूनियन ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान रीवा एवं यूनियन बैंक ऑफ इण्डिया के क्षेत्र प्रमुख के सहयोग से आर.एस.ई.टी.आई. द्वारा केन्द्रीय जेल में परिरुद्ध पुरुष बंदियों के लिये मोटरसाईकल रिपेयरिंग स्व-रोजगार मूलक प्रशिक्षण प्रारंभ किया गया। मोटरसाईकल रिपेयरिंग प्रशिक्षण में 35 पुरुष बंदियों का रजिस्ट्रेशन किया गया। प्रशिक्षण से बंदी आत्म निर्भर होगें। जेल से रिहा होने के पश्चात वह स्वयं का व्यवसाय प्रारंभ कर सकेंगे। जेल अधीक्षक केन्द्रीय जेल द्वारा यूनियन बैंक ऑफ इण्डिया के सहयोग से पुरुष बंदियों को स्व-रोजगारमूलक प्रशिक्षण प्रदान किए जाने के लिये निदेशक आर.एस.ई.टी.आई. एवं प्रशिक्षक को धन्यवाद ज्ञापित किया। स्व-रोजगार मूलक प्रशिक्षण प्रारंभ कराने में एस. के. उपाध्याय जेल अधीक्षक, संजीव कुमार गेंदले, योगेन्द्र पमार, श्याम सिंह कुशवाह, पूजा मिश्रा, पुनीत चतुर्वेदी, अखिलेश मिश्रा, रवि गौतम, एवं जेल का स्टाफ उपस्थित रहा।

ब्राउन सुगर मामले में फरार इनामी तस्कर गिरफ्तार

बैकुंठपुर पुलिस ने पिता के बाद पुत्र को पकड़ा

रीवा। जिले के बैकुंठपुर थाना पुलिस ने एनडीपीएस के मामले में एक वर्ष से फरार 7 हजार रुपए के इनामी आरोपी को गिरफ्तार किया है जिसे न्यायालय के समक्ष पेश कर जेल भेज दिया गया है। इस पूरी कार्रवाई को लेकर बैकुंठपुर थाना प्रभारी जेपी पटेल ने जानकारी देते हुए बताया कि बीते वर्ष पुलिस ने बैकुंठपुर कस्बे में दबिश देकर अशोक त्रिपाठी के घर में रेड कार्रवाई कर ब्राउन शुगर जप्त किया गया था । मामले में पिता सहित उसके पुत्र और बेटी के खिलाफ पुलिस एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई की थी। पुलिस ने सोनम और उसके पिता अशोक को पूर्व में गिरफ्तार कर लिया था जबकि प्रकरण का तीसरा आरोपी फरार था जिसके बाद पुलिस ने आरोपी विकास तिवारी को रीवा से पकड़ा है।

सुरक्षित सड़क आदतें अपनाने की पहल

होंडा मोटर साइकिल एंड स्कूटर इंडिया ने रीवा, मध्य प्रदेश में सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान चलाया

सड़क सुरक्षा के महत्व को समझाने के लिए 2300 से अधिक छात्रों और स्टाफ ने भाग लिया

रीवा। होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया ने अपना सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान रीवा में आयोजित किया। इस दौरान जवाहरलाल नेहरू कॉलेज ऑफ टेक्नोलॉजी और महारानी लक्ष्मी बाई कॉलेज ऑफ टेक्नोलॉजी के छात्रों को शामिल किया गया। 2300 से अधिक छात्रों की भागीदारी के साथ, इस पहल का उद्देश्य संरचित प्रशिक्षण और इंटरएक्टिव लर्निंग के माध्यम से जिम्मेदार सड़क उपयोग की संस्कृति को मजबूत करना था। कार्यक्रम में इस बात पर ज़ोर दिया गया कि शुरुआती शिक्षा भविष्य के सवारों और नागरिकों को गढ़ने में अहम भूमिका निभाती है। छात्रों को सड़क सुरक्षा के व्यावहारिक पहलुओं से परिचित कराया गया, जिनमें सही तरीके से हेलमेट पहनना, ट्रैफिक सिग्नल का पालन करना, पैदल यात्री अनुशासन और वास्तविक परिस्थितियों में जोखिम का अनुमान लगाना शामिल था। एचएमएसआई ने प्रतिभागियों को यह संदेश दिया कि सुरक्षा केवल एक नियम नहीं, बल्कि एक जीवनशैली है जो व्यक्ति और समाज दोनों की रक्षा करती है।

ऐसे अभियानों के माध्यम से एचएमएसआई आने-जाने की सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक का समाधान कर रहा है युवाओं में सड़क पर जिम्मेदारी की सोच विकसित करना। इसका मक़सद केवल जागरूकता फैलाना नहीं है, बल्कि लंबे समय तक व्यवहार में बदलाव लाना है, ताकि सही और समझदारी से लिए गए फैसले रोज़मर्रा की आदत बन जाएँ। स्कूलों और कॉलेजों को शामिल करके एचएमएसआई यह सुनिश्चित करता है कि युवा अपनी आवाज़ के ज़रिए यह संदेश घरों और समुदायों तक पहुँचाएँ, जिससे इसका असर सीधे प्रतिभागियों से कहीं आगे तक फैल सके।

रीवा में यह पहल एचएमएसआई के व्यापक प्रयासों का हिस्सा है, जिसके तहत सड़क सुरक्षा शिक्षा को समाज के विभिन्न स्तरों पर जोड़ा जा रहा है। हर गतिविधि एचएमएसआई के निरंतर प्रयासों को और मज़बूती देती है, ताकि सुरक्षा शिक्षा सभी के लिए सुलभ, प्रासंगिक और प्रभावशाली बने और एक ऐसी पीढ़ी तैयार हो जो गतिशीलता के केंद्र में जिम्मेदारी को रखे। इस तरह की पहल हमें याद दिलाती है कि सड़क पर समझदारी से किया गया हर कदम केवल स्वयं की सुरक्षा तक सीमित नहीं रहता, बल्कि आसपास के सभी लोगों की सुरक्षा में योगदान देता है।

सड़क सुरक्षा के प्रति होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया की CSR प्रतिबद्धता

साल 2021 में होंडा ने वर्ष 2050 के लिए अपना वैश्विक विज़न स्टेटमेंट जारी किया, जिसके तहत कंपनी का लक्ष्य है कि होंडा मोटरसाइकिल और ऑटोमोबाइल से जुड़ी सड़क दुर्घटनाओं में शून्य मृत्यु-दर हासिल की जाए। भारत में एचएमएसआई इसी विज़न और भारत सरकार के उस लक्ष्य के अनुरूप काम कर रहा है, जिसमें वर्ष 2030 तक सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों को आधा करने का संकल्प लिया गया है।इस लक्ष्य को हासिल करने का एक अहम पहलू है कि वर्ष 2030 तक बच्चों में सड़क सुरक्षा के प्रति सकारात्मक सोच विकसित की जाए और उसके बाद भी उन्हें लगातार शिक्षित किया जाए। स्कूलों और कॉलेजों में सड़क सुरक्षा शिक्षा का उद्देश्य केवल जागरूकता बढ़ाना नहीं, बल्कि युवाओं के मन में सुरक्षा की संस्कृति को स्थापित करना है, ताकि वे सड़क सुरक्षा के एम्बेसडर बन सकें। यह उन्हें जिम्मेदार नागरिक बनने की क्षमता देता है और आने वाली पीढ़ियों को एक सुरक्षित समाज बनाने में महत्वपूर्ण योगदान करने में सक्षम बनाता है।

मुख्य सचिव ने अधिकारियों को स्वच्छता से सेवा पखवाड़े के संबंध में दिए निर्देश

रीवा। मुख्य सचिव अनुराग जैन ने वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से स्वच्छता से सेवा पखवाड़े के संबंध में निर्देश दिए। मुख्य सचिव ने कहा कि सभी कलेक्टर पखवाड़े में निर्धारित दिवसों के लिए तय गतिविधियों का कैलेण्डर बना लें। शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में इन गतिविधियों से जुड़े कार्यक्रम आयोजित करें। इन कार्यक्रमों में जनप्रतिनिधियों, स्वयंसेवी संगठनों और आमजनता की भी भागीदारी का प्रयास करें। पखवाड़े में ग्रामीण विकास विभाग और शहरी विकास विभाग द्वारा स्वच्छोत्सव मनाया जाएगा। इसमें अस्वच्छ स्थलों का चयन कर विशेष साफ-सफाई अभियान चलाएं। पखवाड़े में 25 सितम्बर को एक घंटा सार्वजनिक स्थल, महत्वपूर्ण जल स्त्रोतों अथवा सार्वजनिक स्थल पर सामूहिक रूप से स्वच्छता का अभियान चलाएं। स्वास्थ्य विभाग द्वारा पखवाड़े की अवधि में जिला से लेकर प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र स्तर तक निःशुल्क स्वास्थ्य जाँच शिविरों का आयोजन किया जाएगा। इसमें गर्भवती महिलाओं सहित सभी महिलाओं के स्वास्थ्य की निःशुल्क जाँच की जाएगी। महिला एवं बाल विकास विभाग तथा स्वास्थ्य विभाग मिलकर शिशुओं का पोषण स्तर बढ़ाने, महिलाओं की स्वास्थ्य रक्षा से जुड़े कार्यक्रम आयोजित करेंगे। प्रत्येक आंगनवाड़ी केन्द्र तक आयोजित कार्यक्रम की रिपोर्टिंग पोर्टल में अनिवार्य रूप से करें।मुख्य सचिव ने कहा कि पखवाड़े की अवधि में जनजातीय कार्य विभाग द्वारा आदि कर्मयोगी अभियान चलाया जाएगा। इसमें शामिल सात विभाग जनजातियों के कल्याण के लिए समन्वय से योजनाओं का क्रियान्वयन करेंगे। संस्कृति विभाग द्वारा राज्य स्तर, संभाग स्तर तथा जिला स्तर पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। सभी जिलों में 17 सितम्बर से 2 अक्टूबर की अवधि में रक्तदान शिविर, निःशुल्क स्वास्थ्य जाँच शिविर, वृक्षारोपण तथा पर्यावरण संरक्षण के कार्यक्रम आयोजित करें। इसी अवधि में नवरात्रि और दशहरे का पर्व होगा। दशहरे में प्रतिमाओं के विसर्जन के संबंध में लोगों को जागरूक करें। जलाशयों में केवल प्रतिमाओं का विसर्जन होगा। पर्यावरण को हानि पहुंचाने वाले पदार्थ विसर्जन के समय जलाशयों में न डाले जाएं। इसके लिए लोगों को जागरूक करें। पखवाड़े में डिजिटल साक्षरता, डिजिटल पेमेंट को बढ़ावा देने के लिए भी कार्यक्रम आयोजित करें। डिजिटल पेमेंट पर छोटे व्यापारियों को 100 रुपए तथा थोक व्यापारियों को 400 रुपए प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। पखवाड़े की अवधि में स्ट्रीट वेंडर योजना से पात्र हितग्राहियों को लाभान्वित करें।

धर्मगुरूओं ने बाल निकाह को रोकने के लिए दिए समझाइश

मऊगंज। जिले में बाल अधिकारों की सुरक्षा और बाल विवाह/निकाह की रोकथाम के लिए अहिंसा वेलफेयर सोसायटी मऊगंज समन्वयक सुरेन्द्र प्रसाद चतुर्वेदी के नेतृत्व में बाल विवाह और बाल निकाह की रोकथाम के लिए धर्मगुरुओं के बीच जागरूकता अभियान चलाए, विश्व भर में 12 सितंबर से 14 सितम्बर 2025 में भारत के चार सौ से अधिक जिलों में जेआरसी के पार्टनर द्वारा चलाया जा रहा है। बाल विवाह बाल निकाह रोकने की एक मुहिम छेड़ी है।

बाल अधिकारों की सुरक्षा व संरक्षण के लिए देश में नागरिक समाज संगठनों के सबसे बड़े नेटवर्क जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन (जेआरसी) के मऊगंज में सहयोगी संगठन अहिंसा वेलफेयर सोसायटी मऊगंज की ओर से शादी-ब्याह के मौसम को देखते हुए बाल विवाहों की रोकथाम के लिए विभिन्न धर्मों के विवाह संपन्न कराने वाले पुरोहितों के बीच चलाए जा रहे जागरूकता अभियान को व्यापक सफलता मिली है और सभी धर्मगुरुओं ने इसकी सराहना करते हुए समर्थन का हाथ जोर शोर से बढ़ाया है। संगठन समन्वयक सुरेन्द्र प्रसाद चतुर्वेदी ने कहा कि यह देखते हुए कि कोई भी बाल विवाह या बाल निकाह किसी पंडित, मौलवी या पादरी जैसे पुरोहित के बिना संपन्न नहीं हो सकता, हमने उन्हें बाल विवाह के खिलाफ अभियान से जोड़ने का फैसला किया। इसके सकारात्मक नतीजों को देखते हुए हम उम्मीद कर सकते हैं इस वर्ष पूरे जिले में एक भी बाल विवाह नहीं होने पाएं। आज जिले में तमाम मंदिरों-मस्जिदों के आगे ऐसे बोर्ड लगे हुए जिन पर स्पष्ट लिखा है कि यहां बाल विवाह की अनुमति नहीं है। गौरतलब है कि जेआरसी 2030 तक देश से बाल विवाह खत्म करने के मकसद से चाइल्ड मैरिज फ्री इंडिया' कैम्पेन चला रहा है। जेआरसी कानूनी हस्तक्षेपों के जरिए बाल अधिकारों की सुरक्षा व संरक्षण के लिए देश के 425 जिलों में जमीन पर कामकर 250 से भी ज्यादा नागरिक संगठनों का नेटवर्क है जिसने पिछले वर्षों में दो लाख से ज्यादा बाल विवाह रुकवाए हैं और पांच करोड़ से ज्यादा लोगों को बाल विवाह के खिलाफ शपथ दिलाई है। इसके सहयोगी संगठन अहिंसा वेलफेयर सोसायटी मऊगंज ने स्थानीय प्रशासन के साथ सहयोग व समन्वय से कानूनी हस्तक्षेपों और परिवारों एवं समुदायों को समझा-बुझाकर बाल विवाह के लिए पंडित पुरोहित को यह जिम्मेदारी साझा की है साथ ही बता दें कि यह संगठन 2030 तक बाल विवाह मुक्त भारत के लक्ष्य को हासिल करने के लिए जेआरसी के संस्थापक भुवन ऋभु की किताब 'व्हेन चिल्ड्रेन हैव चिल्ड्रेन, टिपिंग प्वाइंट टू इंड चाइल्ड मैरेज' में सुझाई गई समग्र रणनीति पर अमल कर रहा है। अहिंसा वेलफेयर सोसायटी मऊगंज के समन्वयक सुरेन्द्र प्रसाद चतुर्वेदी के सहयोग से मऊगंज में कई परिवारों को समझाइश दी गई वहीं बताया गया कि अभी भी देश में बाल विवाह के खिलाफ जरूरी जागरूकता की कमी है। ज्यादातर लोगों को यह पता नहीं है कि यह बाल विवाह निषेध अधिनियम (पीसीएमए), 2006 के तहत दंडनीय अपराध है। इसमें किसी भी रूप में शामिल होने या सेवाएं देने पर दो साल की सजा व जुर्माना या दोनों हो सकता है। इसमें बाराती और लड़की के पक्ष के लोगों के अलावा कैटरर, साज-सज्जा करने वाले डेकोरेटर, हलवाई, माली, बैंड बाजा वाले, मैरेज हाल के मालिक और यहां तक कि विवाह संपन्न कराने वाले पंडित और मौलवी को भी अपराध में संलिप्त माना जाएगा और उन्हें सजा व जुर्माना हो सकता है। उन्होंने कहा कि इसीलिए हमने धर्मगुरुओं और पुरोहित वर्ग के बीच जागरूकता अभियान चलाने का फैसला किया क्योंकि यह वो सबसे महत्वपूर्ण वर्ग है जो विवाह संपन्न कराता है। हमने उन्हें समझाया कि बाल विवाह और कुछ नहीं बल्कि बच्चों के साथ बलात्कार है। अठारह वर्ष से काम उम्र की किसी बच्ची से वैवाहिक संबंधों में भी यौन संबंध बनाना यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) कानून के तहत बलात्कार है। बेहद खुशी का विषय है कि आज पंडित और मौलवी इस बात को समझते हुए न सिर्फ इस अभियान को समर्थन दे रहे हैं, बल्कि खुद आगे बढ़कर बाल विवाह नहीं होने देने की शपथ ले रहे हैं। यदि पुरोहित वर्ग बाल विवाह संपन्न कराने से इनकार कर दे तो देश से रातों रात इस अपराध का सफाया हो सकता है। इस अभियान में उनके आशातीत सहयोग व समर्थन से हम अभिभूत हैं। इसको देखते हुए हमारा मानना है कि जल्द ही हम बाल विवाह मुक्त मऊगंज के लक्ष्य को हासिल कर लेंगे। नईगढ़ी जामा मस्जिद पेस इमाम गुलशेर खां इलाके मौलाना मुल्तवी की चौपाल की गई जिसमें 12 सितंबर को सुरूआत की गई और पेस इमाम नईगढ़ी ने सभी को संबोधित करते हुए कहा कि आज समय की मांग पर सभी बाल विवाह एक सामाजिक अभिशाप है और यह समाज से दूर होना चाहिए सभी उलमाओं और स्थानीय मौलवियों को भी हम सभी को इस अभियान में सहयोग करना चाहिए और जिसकी जागरूकता की आवश्यकता है जिस हेतु समाज में आम लोगों को समझना होगा। इस अवसर सुल्तान खां, नसीम खां, बबलू खान, शकील खान, आबाद खान, झल्ले खां, ददनखान, छोटे, लल्लन, सलमान, रसीद खान, मंजू, संजू, रहीम और अहिंसा टीम आशीष कुमार शुक्ला, ज्ञानेंद्र धर द्विवेदी उपस्थित रहे हैं।